राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 19 जून 2023 वर्ष–6,अंक–145 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हर हाल में गांवों को मिले 18 घंटे बिजली, छह घंटे के रोस्टर में शामिल होगा कटौती का वक्त

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बिजली कटौती को लेकर मची हाहाकार के बीच मुख्यमंत्री की फटकार के बाद शनिवार को विभागीय मंत्री से लेकर अफसर तक सक्रिय हुए। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने मध्यांचल में अफसरों एवं अभियंताओं के साथ बैठक करके समस्याएं जानीं, तो पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष एम देवराज ने कटौती पर लगाम लगाने की रणनीति बनाई।

कई दौर में चली समीक्षा के दौरान सभी निगमों के प्रबंध निदेशकों को ग्रामीण इलाके में 18 घंटे की आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके लिए छह घंटे के रोस्टर में ही लोकल फॉल्ट शामिल करने के निर्देश दिए गए हैं। लो वोल्टेज रोकने के भी उपाय सुझाए गए हैं। सभी निगमों के प्रबंध निदेशकों को कॉरपोरेशन अध्यक्ष एम देवराज ने निर्देश दिया कि तय किए गए शिड्यूल के अनुसार आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। अभी तक अधिकतम खपत 27610 मेगावाट तक पहुंची है। खपत के अनुपात में पर्याप्त बिजली उपलब्ध है। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्र में 18 घंटे की विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। छह घंटे की रोस्टरिंग दिन में दो पालियों में तीन-तीन

घंटे के लिए की जाती है। यदि किसी गांव में सुबह छह से नौ बजे तक और दोपहर 12 बजे से तीन बजे तक रोस्टिंग तय की गई है। इस बीच सुबह 9 बजे से 12 बजे के बीच स्थानीय फाल्ट के कारण दो घंटे की आपूर्ति बाधित हुई तो दोपहर 12 से तीन बजे के बीच में दो घंटे की व्यवस्था कर ली जाए। ताकि संबंधित गांव को 24 घंटे में 18 घंटे बिजली मिल सके।

लो वोल्टेज से निपटने की रणनीति

अध्यक्ष एम देवराज ने निर्देश दिया कि गर्मी में आद्रता की कमी की वजह से लो-वोल्टेज की समस्या है। ऐसे में पारेषण उपकेंद्रों से वोल्टेज बढ़ाएं, जिससे वितरण परिवर्तक को एलटी साइड तक बढ़ी हुए वोल्टेज मिल सके।

जिन वितरण परिवर्तकों की एलटी लाइन की लंबाई अधिक हैं। उनमें एलटी लाइन को री-आर्गेनाइज़ करें अथवा नए वितरण प्रर्वतक लगाकर एलटी लाइन की लंबाई कम करें। उपभोक्ताओं को भी लो-वोल्टेज दूर करने की तकनीकी उपाय बताएं। उन्हें घरों एवं संस्थानों की अर्थिंग ठीक रखने के तरीके बताएं।

फीडर मैनेजर नियुक्त करने के निर्देश

हर फीडर की आपूर्ति, वितरण हानि, राजस्व फीडर संबंधी समस्त कार्य के अनुश्रवण करने के लिए अवर अभियंता स्तरीय कार्मिकों को फीडर मैनेजर नियुक्त किया गया है। फीडर मैनेजरों को पूरी तरह से वहां की व्यवस्था के लिए जिम्मेदार बनाया जाए। वह फीडरों की आपूर्ति में आने वाले व्यवधान को दूर करने, लोकल फाल्ट ठीक कराने, किसी सामग्री की जरूरत होने पर उपलब्ध कराने, सहायक अभियंता एवं अधिशासी अभियंता से समन्वय रखने आदि का काम करेंगे। यदि किसी फीडर मैनेजर एवं अवर अभियंता द्वारा अपनी जिम्मेदारी का ठीक से निर्वहन नहीं किया जाता तो तत्काल उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

विद्युत आपूर्ति संबंधी समस्याओं के तत्काल निराकरण के लिए विद्युत वितरण निगम मुख्यालय एवं जनपद स्तर पर स्थापित नियंत्रण कक्ष के माध्यम से प्रभावी अनुश्रवण सुनिश्चित किया जाए। नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या को स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं उपभोक्ताओं के साथ साझा किया जाए। विद्युत वितरण निगम के स्तर पर स्थापित नियंत्रण कक्ष द्वारा हर घंटे की स्थिति से पावर कॉरपोरेशन में स्थापित नियंत्रण कक्ष (0522-2288737, 2288738 एवं 0522-2287747) को भी सूचित किया जाए।

आपूर्ति का शिड्यूल

ग्रामीण 18 घंटे
नगर पंचायत 21.30 घंटे
तहसील मुख्यालय 21.30 घंटे
जिला मुख्यालय 24 घंटे
मंडल मुख्यालय 24 घंटे
बुंदेलखंड 20 घंटे
महानगर 24 घंटे
औद्योगिक 24 घंटे।

सृजन घोटाला के आरोपी कैदी की इलाज के दौरान मौत

पटना। पटना के बेउर जेल में बंद सृजन घोटाला के आरोपी अरुण कुमार की देर रात पीएमसीएच में इलाज के दौरान मौत हो गई। अरुण कुमार की पत्नी अरुण गुप्ता ने आरोप लगाया है कि पटना के बेउर जेल के अधिकारियों की लापरवाही के कारण अरुण कुमार की मौत हुई है। अरुण कुमार भागलपुर में जिला कल्याण पदाधिकारी के पद पर आसीन थे। इस घोटाले की किंगपिंग रही मनोरमा देवी के बेटे अमित कुमार और बहू रजनी प्रिया कि सीबीआई अबतक गिरफ्तार नहीं कर पाई है।

पांच साल पहले हुई थी गिरफ्तारी

बिहार में 880 करोड़ से अधिक के चर्चित सृजन घोटाला मामले में अरुण कुमार और उनकी पत्नी इंदु गुप्ता आरोपी थे। सृजन घोटाले की जांच कर रही सीबीआई में अरुण गुप्ता एवं उनकी पत्नी इंदु गुप्ता पर मामला दर्ज कराया गया था। इसके अलावा अरुण कुमार पर मनी लॉन्ड्रिंग का भी मामला दर्ज था। सीबीआई ने अरुण गुप्ता को 12 अगस्त 2017 को भागलपुर के गोरहट्टा चौक से गिरफ्तार किया था। कुछ दिन जेल में रहने के बाद अरुण कुमार का स्थानांतरण पटना के बेउर जेल कर दिया गया था। तबसे अरुण कुमार पटना के बेउर जेल में बंद है। अरुण कुमार की पत्नी इंदु गुप्ता का सृजन घोटाला मामला में अभी कुछ दिन पूर्व ही बेल से राहत मिल चुकी है।

सृजन महिला सहयोग समिति एक एनजीओ है, जिसके खातों में 2004 से 2014 के बीच सरकारी रुपये की बड़ी राशि फर्जी तरीके से स्थानांतरित की गई थी। संगठन का कार्यालय बिहार के भागलपुर जिले के सबौर प्रखंड में स्थित है। सृजन घोटाले की शुरुआत भागलपुर में एनजीओ के द्वारा महिलाओं को वोकेशनल ट्रेनिंग देने से शुरू हुई। एनजीओ पर भागलपुर जिला प्रशासन के खातों से जिला अधिकारियों, बैंकरों और उसके कर्मचारियों की मिलीभगत से विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लिए सरकारी धन की हेराफेरी करने का आरोप है।

पुरोला में 23 दिन बाद खुली समुदाय विशेष के व्यापारियों की दुकानें, प्रशासन ने हटाई धारा 144

पुरोला। पुरोला में उपजे विवाद के 23 दिन बाद समुदाय विशेष की आठ दुकानें खुल गई हैं। पुलिस के पहरे के बीच इन व्यापारियों ने अपनी दुकानें खोली हैं। वहीं पुरोला में अब हालात सामान्य हैं। हालांकि अभी भी पुलिस और प्रशासन सभी स्थितियों पर नजर बनाए हुए हैं। बीते शुक्रवार को प्रशासन ने पुरोला तहसील से धारा 144 भी हटा दी थी। 26 मई को पुरोला में एक नाबालिग को समुदाय विशेष व उसके साथी द्वारा नाबालिग को भगाने के विरोध में विभिन्न संगठनों और व्यापार मंडल ने जिला मुख्यालय सहित बड़कोट और नौगांव में बाजार बंद करने के साथ ही प्रदर्शन किया था। यह पूरा मामला 21 दिन तक चलता रहा वहीं इस पूरे विवाद के बीच समुदाय विशेष की दुकानें भी बंद रही थी। 22 दिन तक समुदाय

विशेष की दुकानें नहीं खुल पाई। पुरोला में हालात सामान्य होने के बाद शनिवार को समुदाय विशेष के व्यापारियों की आठ दुकानें खुल गई हैं। हालांकि इस दौरान एहतिहातन के तौर पर बाजार में पुलिस के जवान भी तैनात रहे। समुदाय विशेष की गारमेंटस सहित सैलून और घड़ी साज की दुकानें हैं। व्यापारी अशरफ, रईस और मो. सलीम ने कहा कि अब उन्हें उम्मीद है कि पुरोला में अमन, शांति और सौहार्द का वातावरण पहले की तरह बना रहेगा। उनके संबंधों में इस घटना से कोई असर नहीं पड़ा है।

युवक का कत्ल कर पन्नी में पैक किए टुकड़े, फिर तीन बोरियों में भर कमिश्नर आवास के पास फेंके, कांप उठी पुलिस

मदुरै। कानपुर से दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक युवक की हत्या कर शव के टुकड़े तीन बोरियों में भरकर फेंक दिए गए। ये बोरियां सुबह पुलिस को गश्त के दौरान कर्नलगंज थाना इलाके में पुलिस कमिश्नर आवास के पास लाल इमली के पीछे पड़ी मिलीं। शव तीन से चार दिन पुराना बताया जा रहा है।

शव की शिनाख्त के लिए पुलिस को तीन टीमें लगाई गई हैं। युवक ने हरा लोवर और पूरी बाह की शर्ट पहन रखी थी। सुबह लगभग दस बजे कर्नलगंज थाने में तैनात एसएसआई रघुवर सिंह टीम के साथ बैंकों की जांच करने निकले थे। अपोलो हॉस्पिटल वाली ग्ली में सन्नाटा रहता है।

एसएसआई टीम के साथ इस सड़क पर आगे बढ़े। लाल इमली की तरफ पहुंचने पर रोड से लगभग 100 मीटर पहले बिजली के पोल के नीचे तीन सफेद बोरियां दिखीं। संदिग्ध बोरियां देखकर थाने में सूचना दी। इसके बाद इंस्पेक्टर कर्नलगंज संतोष कुमार

सिंह फोर्स के साथ पहुंचे और बोरियां खुलवाकर देखीं तो शव के टुकड़े मिले।

एसीपी कर्नलगंज मोहम्मद अकमल खां ने भी मौके पर पहुंचकर जांच की। एसीपी के मुताबिक प्रथम दृष्टया देखने में युवक की उम्र 27 साल के आसपास लग रही है। एसीपी के मुताबिक हत्या कहीं और कर शव यहां लाकर फेंका गया है।

आसपास के इलाके में छानबीन

एसीपी के बाद डीसीपी सेंट्रल और एडीसीपी सेंट्रल भी पहुंचे। पुलिस टीम ने आसपास प्लॉट और पुरानी इमारतों में जांच पड़ताल की। कूड़ाघर खंगाला गया, मगर इन तीन बोरियों को अलावा कहीं भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

बोरी के अंदर पन्नी में लिपटे थे टुकड़े

एसीपी कर्नलगंज ने बताया कि शव के टुकड़ों को बोरी के अंदर भी तीन-चार पन्नी में भरे गए थे। एसीपी के मुताबिक आरोपी ने इस तरह से शव भरे हैं, जिससे खून इधर-उधर न फैले।

शव उठा न पाता, इसलिए अलग-अलग बोरियों में भरने की आशंका

पुलिस के मुताबिक शव उठा न पाता, आशंका है कि इसी वजह से शव के टुकड़े कर अलग-अलग बोरियों में भरकर फेंके। एक बोरी में कमर से नीचे का भाग था, तो दूसरे में कमर से गर्दन तक। तीसरे बोरी में केवल सिर था। एसीपी अकमल खान ने बताया कि आसपास के सभी थाना क्षेत्रों को सूचना दे दी गई है।

बाड़मेर में बाढ़ के हालात, SDRF-NDRF की टीम पहुंची, जैतारण में 1 और टोंक में 2 लोगों की मौत

उदयपुर। बिपरजॉय चक्रवात के कारण राजस्थान के बाड़मेर, सिरोही, उदयपुर, जालौर, जोधपुर, पाली और नागौर सहित विभिन्न जिलों में मूसलाधार बारिश से जलभराव की स्थिति बन गई हैं। बाड़मेर में बाढ़ के हालात बन गए हैं। बाड़मेर जिले में 25 साल का बारिश का रिकॉर्ड टूट गया है। चौहटन और सेड़वा में 12 इंच, धोरीमन्ना में 10 इंच, सेड़वा बाड़मेर में 5.3 इंच, माउंट आबू के सिरोही में 8.2 इंच, कोटडा उदयपुर में 4.6 इंच, रानीवाड़ा जालौर में 4.3 इंच, उदयपुर में 1.2 इंच और सुमेरपुर पाली में 38 मिलीमीटर बारिश हुई है।

60 से 65 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से पश्चिम राजस्थान और दक्षिण राजस्थान में हवा चली है। बाड़मेर, सिरोही, बांसवाड़ा, उदयपुर, राजसमंद, पाली, अजमेर, कोटा, टोंक सहित कई जिलों में तेज बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। उदयपुर में गोवर्धन सागर और स्वरूप सागर बांध का जलस्तर बढ़ गया है।

8 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी

मौसम विभाग ने सोमवार को राजस्थान के 8 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। बारां, भरतपुर, बूंदी, दौसा, धौलपुर, करौली, कोटा और सवाई माधोपुर में भी बारिश होने की संभावना है।

चक्रवात का प्रभाव, 3 मौतें हुई

जैतारण में आंधी और तेज बारिश के बीच बिजली का तार गिरने से महिला की मौत हो गई। जबकि टोंक में बारिश और तेज हवाओं से मलबा गिरने से दो लोगों की मौत हुई है। कोटा में मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं और उन्हें अलर्ट कर दिया गया है। जालौर में लूनी नदी में बहाव के चलते चितलवाना के मांडली में खेतू सिंह (23 साल) और डूंगर सिंह (19 साल) शुक्रवार रात से 20 घंटे तक भूखे प्यासे फंसे रहे। उन्हें रेस्क्यू किया गया। राजस्थान में बिपरजॉय के प्रभाव से तापमान काफी गिर गया है।

रोहतांग दर्रा में बर्फ के बीच 13,050 फीट की ऊंचाई पर होगा योग

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर समुद्र तल से 13,050 फीट की ऊंचाई पर स्थित रोहतांग दर्रा में योग करवाया जाएगा। इसके माध्यम से लोगों को योग से निरोग रहने का संदेश दिया जाएगा। जिले कुल्लू में आयुष विभाग 21 जून को 11 जगहों पर योगाभ्यास करवाएगा। इनमें पर्यटकों की पहली पसंद रोहतांग दर्रा और अटल टनल रोहतांग भी शामिल हैं। बता दें कि आयुष विभाग योग दिवस के दिन हर घर आंगन योग कार्यक्रम के तहत लोगों को योग क्रियाएं सिखाएगा

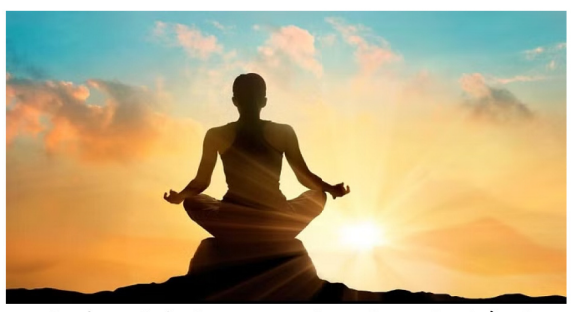

तथा योग के लाभों से भी अवगत करवाएगा। इसके लिए विभाग ने शेड्यूल बना दिया है। इसी शेड्यूल के तहत आयुष चिकित्सकों और योग प्रशिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। जिला कुल्लू में आयुष विभाग 20 जून तक योग शिविरों का आयोजन कर रहा है। यह योग शिविर जिला अयुष अस्पताल और 65 डिस्पेंसरी और वेलनेस सेंटरों के अलावा पंचायत स्तर पर ऑनलाइन और ऑफलाइन लगाए जा रहे हैं। अब तक करीब 20 से 22 हजार लोगों को सूर्य नमस्कार समेत योग की विभिन्न विधाएं सिखाई गई हैं। 21 जून को 13,050 फीट की ऊंचाई पर योग करवाने की योजना है। इस संबंध में जिला आयुष अधिकारी डॉ. ज्योति कंवर ने कहा कि जिला कुल्लू में विश्व योग दिवस के लिए 11 जगहों को चिह्नित किया गया है। स्थानीय लोगों और पर्यटकों को विभागीय चिकित्सक और योग प्रशिक्षक योग की विधाएं सिखाएंगे। विश्व योग दिवस पर 13,050 फीट की ऊंचाई पर रोहतांग दर्रा में बर्फ के बीच योग करवाया जाएगा। योग शिविर के लिए अटल टनल रोहतांग, अटल बिहारी पर्वतारोहण संस्थान मनाली, अंतरराष्ट्रीय रोरिक आर्ट गैलरी नग्गर, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल (बबेली), सशस्त्र सीमा बल (शमशी), रथ मैदान ढालपुर, बागीपुल, मेला मैदान आनी, मेला मैदान सैंज, मेला मैदान बंजार और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बंजार को चिह्नित किया गया है।

कठुआ सामूहिक दुष्कर्म एवं हत्या का आठवां आरोपी पठानकोट अदालत में पेश

कठुआ। कठुआ सामूहिक दुष्कर्म एवं हत्याकांड की सुनवाई एक बार फिर पठानकोट की अदालत में शुरू हुई। आठवें आरोपी शुभम सांगरा को पेश किया गया। जहां जिला एवं सेशन अदालत ने सुनवाई के लिए 21 जून निर्धारित किया है। बता दें, 2018 में जम्मू-कश्मीर के कठुआ के रसाना में नाबालिग से हुए सामूहिक दुष्कर्म और हत्याकांड के मामले में नामजद 6 आरोपियों को सजा सुनाई जा चुकी है। सबूतों के आभाव में एक को बरी कर दिया गया था।

आठवें आरोपी शुभम सांगरा को तब नाबालिग बताया गया था। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने अब उसे बालिग करार दिया, जिसके बाद उसका पठानकोट की जिला अदालत में ट्रायल शुरू हो गया है। शनिवार को जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से शुभम सांगरा को अदालत में पेश किया गया। शुभम की ओर से अधिवक्ता अंकुर शर्मा भी अदालत में पहुंचे। बताया जा रहा है कि शुभम की पहली पेशी 7 जून को हुई थी, लेकिन जिला एवं सेशन जज के उपलब्ध न होने से 17 जून निर्धारित की गई थी।

बता दें, अदालत में ग्रीष्मकालीन अवकाश चल रहे हैं। ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि 1 जुलाई से मामले की सुनवाई सही मायनों में शुरू हो पाएगी।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से आरोपी का परिवार नाखुश, रिव्यू पिटीशन की तैयारी

जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट ने शुभम सांगरा को नाबालिग करार दिया था। सुप्रीम कोर्ट की दखल के बाद नवंबर 2022 में शुभम को बालिग करार दिया गया और पठानकोट में ट्रायल शुरू किया गया। शुभम के वकील अंकुर शर्मा का कहना है कि परिवार शीर्ष अदालत के इस फैसले से नाखुश है और इस मामले को लेकर शीर्ष अदालत में रिव्यू पिटीशन फाइल कर सकते हैं। पहले की तरह इस मामले की रोज सुनवाई नहीं होगी। इसलिए, यह केस लंबा खिंच सकता है।

क्या है मामला

- कठुआ के रसाना में 8 साल की बच्ची 10 जनवरी 2018 को गुम हुई थी और 17 जनवरी को उसका शव मिला था।

- जम्मू और कश्मीर सरकार ने 23 जनवरी 2018 को मामले की जांच राज्य पुलिस की क्राइम ब्रांच को सौंपी थी।

- क्राइम ब्रांच ने 10 फरवरी 2018 को एक आरोपी दीपक खजुरिया को गिरफ्तार किया।

- 10 अप्रैल 2018 को क्राइम ब्रांच ने कठुआ की एक अदालत में आरोप-पत्र

दाखिल किया था।

-कठुआ के कई वकीलों ने अदालत के बाहर हंगामा किया और पुलिस को आरोप पत्र दाखिल करने से रोकने की कोशिश की थी।

- आरोप-पत्र दाखिल होने के बाद अदालत ने मामले की सुनवाई के लिए 18 अप्रैल 2018 की तारीख तय की थी।

- आरोप-पत्र में लिखा था कि पहले बच्ची का अपहरण किया, फिर नशीली दवाएं खिला कई दिन तक सामूहिक दुष्कर्म किया गया।

- बच्ची को कई दिन तक एक धार्मिक स्थल पर बंधक बनाकर रखा और बाद में हत्या कर दी गई।

- 16 जनवरी 2018 को 'हिंदू एकता मंच' नाम के एक संगठन ने कठुआ में वकीलों के समर्थन में रैली निकाली।

- 5 अप्रैल 2018 को इस पूरी घटना के मुख्य अभियुक्त सांझी राम ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

- 18 अप्रैल 2018 को पहली सुनवाई में क्राइम ब्रांच से कहा गया कि सभी आरोपियों को आरोप पत्र की कॉपी दी जाए।

- सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर 7 मई 2018 की तारीख दी थी। दरअसल, पीड़ित परिवार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर केस का ट्रायल जम्मू और कश्मीर से बाहर कराने की मांग की थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले को पंजाब के पठानकोट में ट्रांसफर कर दिया था।- 10 जून 2019 को मामले के तीन आरोपियों को उम्र कैद और तीन को 5-5 साल की सजा सुनाई गई।

संपादकीय

आगजनी से सबक

राजधानी दिल्ली के मुखर्जी नगर में गुरुवार को एक कोचिंग संस्थान में लगी आग जितनी दुखद है, उतनी ही शर्मनाक भी। दुखद इसलिए कि पढ़ने गए बच्चों को जान बचाने के लिए भागना पड़ा और इस कोशिश में 60 से ज्यादा को चोटें आई हैं। शर्मनाक इसलिए कि कोचिंग संस्थान पुराने हादसों से कोई सबक नहीं ले रहे हैं। आग लगने या किसी अन्य आपदा की स्थिति में बहुमंजिला इमारतों में भी बच निकलने के वैकल्पिक मार्ग नहीं बनाए जा रहे हैं। मई 2019 में सूरत में एक कोचिंग सेंटर में आग लगी थी और 22 विद्यार्थियों की जान चली गई थी। तब भी बहुत जोर-शोर से यह बात उठी थी कि सभी शिक्षा संस्थानों को ऐसी आपदाओं से बचने के लिए तमाम तरह के उपाय कर लेने चाहिए। यह निंदनीय और आपराधिक लापरवाही है कि अभी भी ऐसे संस्थान बड़ी संख्या में धड़ल्ले से चल रहे हैं, जिन्हें बच्चों या छात्रों के जीवन की भी परवाह नहीं है। कम से कम जगह में बड़े से बड़ा संस्थान चलाकर ज्यादा से ज्यादा लागत घटाने और कमाई बढ़ाने का यह कारोबार क्या किसी साजिश से कम है? आखिर यह क्यों न माना जाए कि ऐसे संस्थान जानते-समझते हुए भी छात्रों की जान लेने की साजिश रच रहे हैं? मुखर्जी नगर आगजनी की घटना ने एक बार फिर अग्नि-सुरक्षा मानदंडों के उल्लंघन को सुर्खियों में ला दिया है। जैसी परिपाटी है, हर जिम्मेदार एजेंसी खुद को बचाने की कोशिश में जुट गई है। कोई कह रहा है कि ग्राउंड फ्लोर पर बिजली मीटर के पास शॉर्ट सर्किट के चलते यह हादसा हुआ, तो किसी का कहना है कि वातानुकूलन इकाई में आग या धुआं सबसे पहले देखा गया। ऐसा लगता है, जिम्मेदार एजेंसियां दोष से अपना दामन छुड़ाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगी। बाद में मिलकर लीपापोती होगी और मुखर्जी नगर में यथास्थिति में कोचिंग संस्थान चलते रहेंगे! बताया जा रहा है कि यह परिसर पुराना है, दशकों पहले जब यह बना होगा, तब इस पर इतना दबाव नहीं होगा। अब इस इमारत में 250 से ज्यादा छात्र पढ़ने के लिए आते हैं और सुविधा का जो स्तर है, उसकी पोल खुल ही चुकी है। किसी भी मामले में वाणिज्यिक भवन को संचालन के लिए अग्निशमन विभाग से भी अनापत्ति प्रमाण पत्र लेने की जरूरत पड़ती है, लेकिन ऐसा प्रमाणपत्र आज कितने संस्थानों के पास है? युद्ध स्तर पर कम से कम शिक्षण संस्थानों में तो यह पड़ताल कर लेनी चाहिए। जो संस्थान बगैर-प्रमाणपत्र के असुरक्षित चल रहे हैं, उन्हें न केवल तत्काल बंद कर देना चाहिए, बल्कि उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी होनी चाहिए। यह हकीकत है कि देश भर के छात्र मुखर्जी नगर में पढ़ने या प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आते हैं, पर यहां भी ज्यादातर संस्थानों में जीवन बचाव की बुनियादी सुविधाओं का टोटा है। स्वागत है, एक उप महापौर ने कहा है कि एमसीडी उस क्षेत्र की सभी इमारतों की जांच करेगी, जहां कोचिंग सेंटर हैं और यदि उल्लंघन पाया जाता है, तो सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी, लेकिन हम क्या वाकई ऐसा होते देखेंगे? स्थायी रूप से कड़ी कार्रवाई की परंपरा होनी चाहिए। क्या हम अब सबक लेने को तैयार हैं? सुखद है कि दिल्ली के मुखर्जी नगर में विभिन्न कोचिंग संस्थानों के छात्रों ने गुरुवार को ही विरोध प्रदर्शन किया और सड़क भी जाम किया। कहीं न कहीं छात्रों और अभिभावकों की भी जिम्मेदारी है कि वे उन्हीं संस्थानों या भवनों से सेवा प्राप्त करें, जो सुरक्षा मापदंडों की पूरी पालना करते हैं।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मकर व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

कुम्भ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

मीन आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

विकास-शोध में ज्यादा फायदा उठाने का मौका

सी. उदय भास्कर

प्रधानमंत्री मोदी की 21-24 जून की आगामी अमेरिका यात्रा के दौरान भारत-अमेरिका द्विपक्षीय रिश्तों में शिखर वार्ता स्तर की राजनीतिक दिलचस्पी और नीति संबंधी विमर्श होने की आस है। कार्यसूची में व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा रिवायती स्वागत समारोह और अमेरिकी संसद के संयुक्त सदनों को प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन शामिल है। इस किस्म का शिष्टाचार द्योतक है उस विशेष सम्मान का, जब अमेरिका को किसी मुल्क और उसके नेता को तरजीह देनी होती है। इस यात्रा का एक मुख्य पहलू रक्षा क्षेत्र में सहयोग बनाना है। अतएव यात्रा से पूर्व, मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी स्तर पर मिल-जुलकर काफी तैयारियां की गई हैं। इस सिलसिले में अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने नयी दिल्ली में 5 जून को भारतीय समकक्ष राजनाथ सिंह से मुलाकात की है। वार्ता का मुख्य ध्यान रक्षा क्षेत्र में दोनों देशों के बीच औद्योगिक स्तर का सहयोग बनाने पर केंद्रित रहा। दोनों पक्ष आपसी सलाह से नये और वर्तमान तकनीक सहयोग की शिनाख्त करने एवं दोनों मुल्कों के बीच रक्षा संबंधी नव-उद्यमों के लिए सहयोग में इजाफा करने को तैयार हैं। दोनों राष्ट्रों ने हालिया नई पहल यानी रक्षा के तमाम क्षेत्रों में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को विस्तारार्थ उन्नत और परिष्कृत रक्षा तकनीक सहयोग के लिए भारत-अमेरिका उन्नत गतिमान तंत्र (इंडस-एक्स) बनाने के फैसले का स्वागत किया है। साथ ही, भारतीय विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने 6 जून को वाशिंगटन पहुंचकर भारत-अमेरिका सामरिक सहयोग वार्ता में भाग लिया। इसका उद्देश्य महत्वपूर्ण तकनीकी क्षेत्र सहयोग में आगे विस्तार और व्यापार संभावनाओं की पहचान करना था। इसमें सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष, टेलीकॉम, क्वांटम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बायोटेक और अन्य विधाएं शामिल हैं। जाहिर है तकनीक सहयोग का यह परिदृश्य बहुत बृहद है। कार्यसूची में जो विषय ज्यादा ध्यान खींचता है, वह है, अमेरिका निर्मित जीई एफ-414 जेट इंजन। उम्मीद है इस पर सहमति बन जाएगी। इससे यह इंजन संयुक्त रूप से विकसित करने का मौका हमें मिल जाएगा। यह स्वदेशी लड़ाकू विमान बनाने में बहुत मददगार होगा, जो अब तक इस किस्म की क्षमता से महरूम है। अमेरिकी सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन की हालिया दो-दिवसीय यात्रा का मकसद रहा कि मोदी की यात्रा में परिणाम पाने में जहां कहीं कमी दिखे, वह सुधारी जा सके, क्योंकि विषय-वस्तु अधिकांशतः जेट इंजन और उच्च तकनीक सहयोग पर केंद्रित रहने वाला है। तथापि, इस किस्म के रिवायती सैन्य मंचों पर सहयोग के अलावा भारत के लिए असल चुनौती अमेरिका का साझेदार बनकर तकनीकी क्षेत्र में एक बड़ी छलांग लगाना होगा जो हमारी भावी युद्ध शैली को शक्ल देगा। मोटे तौर पर, सहयोग के नए क्षेत्रों में अंतरिक्ष, जलगत, साइबर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी महत्वपूर्ण तकनीक हैं।लेकिन क्या भारत अमेरिका के साथ प्रभावी सहयोग करने की स्थिति में है ताकि तकनीकी क्षेत्रों में प्राप्त नवीन ज्ञान के आधार पर आत्मनिर्भरता पाने में सही मायने में बड़ी छलांग बन सके? यहीं पर शब्द 'सर्वतंत्र' पर ध्यान केंद्रित होता है और मौजूदा हालातों के आधार पर, लगता है ढांचागत और व्यवस्थात्मक कमियों के चलते भारत के पास वह आवश्यक तंत्र नहीं है जिससे अमेरिका के साथ अर्थपूर्ण सहयोग पूरा परिणाम दे सके और आत्मनिर्भरता के प्रयासों में तेजी बन सके और यही अंतिम उद्देश्य भी है।

जाहिर है तकनीक सहयोग का यह परिदृश्य बहुत बृहद है। कार्यसूची में जो विषय ज्यादा ध्यान खींचता है, वह है, अमेरिका निर्मित जीई एफ-414 जेट इंजन। उम्मीद है इस पर सहमति बन जाएगी। इससे यह इंजन संयुक्त रूप से विकसित करने का मौका हमें मिल जाएगा। यह स्वदेशी लड़ाकू विमान बनाने में बहुत मददगार होगा, जो अब तक इस किस्म की क्षमता से महरूम है। अमेरिकी सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन की हालिया दो-दिवसीय यात्रा का मकसद रहा कि मोदी की यात्रा में परिणाम पाने में जहां कहीं कमी दिखे, वह सुधारी जा सके, क्योंकि विषय-वस्तु अधिकांशतः जेट इंजन और उच्च तकनीक सहयोग पर केंद्रित रहने वाला है।

नई परिष्कृत तकनीकों में प्रवीणता पाने की मात्रा, हमारी ज्ञान-ग्राह्यता की थाह और अनुसंधान एवं विकास के लिए निरंतर निवेश करने पर निर्भर होगा। अनुसंधान एवं विकास और नई खोजों के क्षेत्र में अमेरिका को दुनियाभर में अव्वल माना जाता है, चीन दूसरे पायदान पर है और अगले कुछ दशकों में पहले स्थान के लिए दृढ़-संकल्प है।

किसी देश की तकनीकी क्षमता का सूचकांक उसके वैज्ञानिकों द्वारा विज्ञान एवं इंजीनियरिंग संबंधित पत्रिकाओं में आलोचनात्मक विवेचनार्थ पेश किए खोज-पत्रों की संख्या है। वर्ष 2020 में चीन ने 6,69,000 खोज-पत्रों के साथ अमेरिका (4,56,000) को पछाड़ दिया। 1,49,000 खोज-पत्रों के साथ भारत तीसरे स्थान पर रहा। भारतीय ढांचे में अनुसंधान एवं विकास क्षेत्र में निवेश की मद में कमी सबसे बड़ी विद्रूपता है, जबकि यह अवयव नई खोज के आधार पर वास्तविक प्रारूप तैयार करने और आगे उत्पादन प्रणाली की नींव है। भारत अपने सकल घरेलू उत्पाद का महज 0.7 प्रतिशत अनुसंधान एवं विकास पर खर्च करता है, जो कि अमेरिका (2.8), चीन (2.1), इस्राइल (4.3) और दक्षिण कोरिया 4.6 फीसदी से कहीं कम है। हालांकि, डीआरडीओ सरकारी धन से चालित एक मुख्य रक्षा अनुसंधान इकाई है, लेकिन यह भी सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों को दरपेश मुश्किलों और जरूरत से कम धन मिलने से ग्रसित है। भारत का कॉर्पोरेट सेक्टर भी अनुसंधान एवं विकास क्षेत्र के प्रति उदासीन है, फॉर्ब्स पत्रिका में भारत के इस 'बंजर परिदृश्य' की चौंकाने वाली तस्वीर पेश की गई है। यह लेख पांच देशों की सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली कंपनियों की तुलना करते हुए बताता है कि वर्ष 2021 में अमेरिकी कंपनियों ने अनुसंधान एवं विकास के लिए 152 बिलियन डॉलर, चीन (31 बिलियन) जापान (37 बिलियन), जर्मनी (53 बिलियन) और भारत में 0.9 बिलियन डॉलर लगाए। यह निवेश राशि कुल कमाए मुनाफे में, अमेरिका (37 फीसदी), चीन (29), जापान (43) जर्मनी (55) तो भारत 2 प्रतिशत का रहा।

हमारी स्थिति अपनी कहानी खुद बयान करती है अर्थात अनुसंधान एवं विकास पर सतत निवेश करना नई खोज और दीर्घकाल में व्यावसायिक लाभ पाने लिए पूर्व-शर्त है। अतएव, भारत को अपने अनुसंधान एवं विकास तंत्र को सींचना होगा। इससे आत्मनिर्भरता पाने की दिशा में शिक्षा संबंधित ढांचागत कमियां भी दूर हो सकेंगी। आज तकनीक और ज्ञान में बदलावों की गति बहुत तेज है और विश्व के अग्रणी उच्च शिक्षा संस्थानों में अनुसंधान कर रहे युवा वैज्ञानिक इसके वाहक हैं। हमारे यहां शैक्षणिक योग्यता वर्गीय विचारधारा और राजनीतिक हितों की भेंट चढ़ रही है, जिससे ज्ञान की खोज का उत्साह मर रहा है। अमेरिका से उच्च-तकनीक क्षेत्रों में अर्थपूर्ण सहयोग का लाभ उठाने की काबिलियत के लिए जो तंत्र चाहिए, वह अनुसंधान एवं विकास के ढांचे के लिए रखे गए मौजूदा न्यून धन से पल्वित नहीं हो सकता। अफसोस, यही नग्न सच्चाई है। लेखक सोसायटी फॉर पॉलिसी स्टडीज़ संस्थान के निदेशक हैं।

टाईमपास न बने रहें, रोजाना करें कुछ नया और अच्छा

- डॉ. दीपक आचार्य

समय की गति को कोई थाम नहीं सकता। युग बीत गए लेकिन समय की रफ्तार यों ही चलती रही है और चलती रहेगी। इसलिए जो लोग इस मुगालते में रहते हैं कि आज के काम कल या परसों कर लेंगे, उनकी जिन्दगी का वो कल कभी नहीं आता और सीधे ही आ धमकता है काल। फिर क्षण भर की देरी किए बिना हो जाता है राम नाम सत्य। इस मायने में कुछेक को छोड़ दें तो शेष सारे के सारे आधे-अधूरे कामों के संकल्पों के साथ ऊपर जा रहे हैं। बहुत से लोग कामों को कल पर छोड़ दिया करते हैं लेकिन आने वाला कल इतना अधिक व्यस्त और विवश कर देता है कि उनका कोई सा सोचा हुआ काम कभी हो ही नहीं पाता। फिर अधिकांश लोगों की जिन्दगी यथास्थितिवादी होकर रह जाती है। इन उत्साहहीन और कालचलाऊ जिन्दगी को जीने वाले लोगों के लिए कोई दिन नया नहीं होता। जिस तरह इनका पुराना दिन बीत जाता है उसी तरह वर्तमान को भी गुजार दिया करते हैं और आने वाला दिन भी इसी तरह गुजर जाता है। इन लोगों के लिए मरते दम तक हर दिन एक समान सा बना रहता है। यह स्थिति मनुष्य के जीवन की सबसे अधिक दुर्भाग्यशाली होती है जब आने वाला कल कुछ नया लेकर नहीं आता। कुछ न करने वाले दरिद्री, तटस्थ, उदासीन और यथास्थितिवादी लोगों की भीड़ सब जगह पसरी हुई है। ये लोग खुद की कमजोरी या गलती को कभी नहीं स्वीकारते। बल्कि हर दिन कोई न कोई रोना रोते रहते हैं। अपनी असफलताओं पर खिन्न हुआ करते हैं और कभी भगवान को कोसते हैं तथा कभी अपने भाग्य को। इनकी अंतिम साँस तक यह रोने का दौर चलता रहता है। ताजिन्दगी ये कोई न कोई नया विषय लेकर रोते ही रहते हैं। इनके जन्म के समय शुरू होने वाला रुदन मृत्यु होने तक चलता रहता है और जब जाते हैं तब इनकी असफल और आलसी जिन्दगी से परेशान घर-परिवार वाले रोते हैं। सुबह होती है, शाम होती है, जिन्दगी यूँ ही तमाम होती है। यह बात दुनिया के हर जीव पर लागू होती है। हर दिन कुछ न कुछ नया और अच्छा करने के लिए होता है। हर अगले दिन हमें यह अहसास होना चाहिए कि बीता हुआ दिन कुछ न कुछ उपलब्धि देकर गया है और अपनी जिन्दगी के खाते में कम से कम एक अच्छा काम और उपलब्धि जुड़ी है। हमारा गुजारा हुआ वही दिन सफल है जिस दिन हमें दिल से यह अहसास हो कि हमने कुछ तो ऐसा किया है जो हमारी जिन्दगी की उपलब्धियों में जुड़ा है। जो ऐसा कर पाते हैं उन्हीं का जीवन सफल है। और जो इस तरह का नहीं कर पाते हैं उन्हें जीवन में सफल नहीं कहा जा सकता बल्कि इनकी जिन्दगी टाईमपास और कामचलाऊ ही कही जा सकती है। इस मामले में इनमें और पशुओं में कोई अन्तर नहीं होता। फर्क है तो सिर्फ इतना ही कि पशु पेट ही भरते हैं और ये पेट के साथ पेटी भी। हम सभी की जिन्दगी आज भागदौड़ से इतनी भरी हुई हो गई है कि हमारे पास न तो रोजाना कुछ नया करने का समय है, न हममें वह माद्दा बचा है कि कुछ नया कर सकें। कुछ करना भी चाहें तो कभी परिस्थितियां हमारा साथ नहीं देती, कभी शरीर। कभी आस-पास ऐसे मुर्दाल और मनहूसों का जमावड़ा हो जाता है कि जिन्हें देख कर ही लगता है कि कहाँ फंस गए इन कुकुरमुत्तों और शुतुरमुर्गों के बीच। ये आस-पास और साथ वाले आसुरी वृत्ति वाले भोगी-विलासी, हराम का खाने-पीने और जमा करने वाले लोग हमेशा आलसी, दरिद्री और भौन्दू ही होते हैं और ये कभी नहीं चाहते कि उनके साथ का कोई व्यक्ति कुछ नया और श्रेयदायी कुछ करे। इनसे तुलना होने पर सार्वजनिक रूप से इन्हें नीच और नाकारा माना जाने लगता है। इस स्थिति से बचने के लिए ये न खुद कुछ कर पाते हैं, न किसी और को कुछ करने देते हैं। इन परिस्थितियों की नकारात्मकता के चलते अधिकतर बार हमारा काम करने का मूड नहीं होता। यह मूड आजकल सभी जगह सर्वाधिक प्रचलित कारक है जिसने लोगों का दिमाग खराब कर रखा है। लगता है कि जैसे मूड नाम का कोई विश्वव्यापी अदृश्य रिमोट कंट्रोल है जो कि आदमी को चलाता है। पिछले दो-तीन दशक से यह शब्द इतना अधिक प्रचलन में आ गया है कि कुछ कहा नहीं जा सकता। जिसे देखो वो मूड की बात करता है। कभी मूड अच्छा होता है तो वह सब कुछ कर लेता है लेकिन अधिकांश बार हरेक इंसान मूड खराब होने की बात कहता हुआ काम को आगे से आगे टालता चला जाता है। दुनिया में बहुत सारे विचित्र किन्तु सत्य आविष्कार हो गए लेकिन मूड ठीक करने के लिए न तो कोई उपकरण बना है न कोई दवा हम खोज पाए हैं। मूड़ अपने आप में स्वैच्छिक है। उसका कोई भरोसा नहीं कि वह कब ठीक-ठाक रहे, कब खराब हो जाए। कई लोगों के मूड का कोई पता नहीं चलता। ये लोग 'क्षणे रुष्टा-क्षणे तुष्टा' वाली स्थिति में पेण्डुलम की तरह अटके-लटके और भटके हुए ही होते हैं। फिर मूड़ खराब होने के कारणों का पता लगाने की कोशिश करें तो कभी ढेरों कारण एक साथ आ धमकेंगे, और कभी 'खोदा पहाड़ निकली चुहिया' वाली स्थिति ही सामने आ जाती है। इस मायने में यह कहा जाए कि अब इंसान का अपने आप पर ही न तो नियंत्रण रहा है, न कोई भरोसा। हम सभी लोग रोजाना सपनों के महल बनाते हैं, दिवा स्वप्न देखते हैं, बड़े अरमानों के साथ जीते हुए हर दिन कुछ न कुछ करने का संकल्प लेते हैं। दिन उगने से लेकर देर रात तक सोचते ही रहते हैं फिर भी वह सब नहीं कर पाते हैं जो करना चाहते हैं। रोजाना की यह स्थिति बचपन से लेकर वार्धक्य पाने और मरणासन्न होने तक यों ही बनी रहती है। आज के सोचे गए कामों को आज करने की सोचते हैं फिर आलस्य, प्रमाद और व्यस्तता के कारण सब कुछ अस्त-व्यस्त हो जाता है और बात कल पर टाल देते हैं। कल भी आता है लेकिन वो कल नहीं आता जिसकी कल्पना हम एक दिन पहले कर लिया करते हैं। इस तरह आज-कल के फेर में हम लोग बचपन से जवानी, जवानी से प्रौढ़ावस्था और इसके आगे बुढ़ापा तक पा लिया करते हैं लेकिन कुछ हो नहीं पाता। न आज का काम आज पूरा हो पाता है, न कल का काम कल हो पाता है। आज-कल और परसों की सुविधा हमेशा यों ही बनी रहकर हमारे आलस्य को परिपुष्ट करती रहती है और हम लोग एक-एक दिन करके दिन-महीने और सालों साल गुजार लिया करते हैं फिर भी कोई उपलब्धि हमारे हाथ नहीं लग पाती। एक तरफ उपलब्धि के मामले में शून्यता भरी स्थिति हमें कोसती रहती है, सैकड़ों अरमान और लम्बित कामों का अम्बार लग जाता है और इस वजह से तनाव हमें घेर लिया करते हैं क्योंकि हमारे चेतन-अवचेतन में हर क्षण इस बात का मलाल रहता है कि काम नहीं हो पाए। फिर हमारे पास प्राथमिकताएं तय करने का कोई पैमाना नहीं होता। और कृपणता इतनी कूट-कूट कर भरी हुई रहती है कि कोई सा विचार, काम या स्वप्न हम त्यागना नहीं चाहते। इस हिसाब से दिमाग किसी ट्यूमर या कैंसर की गाँठ की तरह हो जाता है जिसमें जाने कितने बरसों से विचार, अधूरे काम और पूरे नहीं हो सके संकल्पों का जखीरा भरा रहता है जो हमें आत्महीनता और आत्मशैथिल्य का बोध कराता हुआ हर क्षण हमारे आत्मबल को कमजोर करता रहता है। इस वजह से हमारा मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य निर्बल होता चला जाता है और हम बिना किसी उपलब्धि के अपनी पूर्ण आयु प्राप्त होने के काफी समय पहले ही आकस्मिक रूप से मौत के आगोश में आकर मिट्टी में मिल जाते हैं। उस जिन्दगी का क्या वजूद और क्या प्रतिष्ठा, जो नाकारा होकर गुजरे और कुछ उपलब्धियां न गिना सके। हमें यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि नौकरी और काम-धंधों के जरिये प्राप्त अकूत धन सम्पदा, बड़े-बड़े और प्रभावशाली कहे जाने वाले पाँच साला, साठ साला और पैंसठ साला पद, भोग-विलास के मनचाहे संसाधन और हड़पी गई लोकप्रियता को उपलब्धियों में शुमार नहीं किया जा सकता। यह तो हर सामान्य इंसान भी कर सकता है। उपलब्धियां वे ही हैं जो हम नौकरी और काम-धंधों में रमते हुए नवाचारों के साथ करें, समाज और देश की भलाई के लिए कुछ कर दिखाएं या निष्काम समाजसेवा के माध्यम से निःस्पृह, सादगी पूर्ण और शालीन समाजसेवी की अनूठी पहचान बनाएं। अपने व्यक्तिगत या पारिवारिक भरण-पोषण के अलावा हम जो भी अच्छे और निष्काम काम करते हैं उन्हें ही उपलब्धियों में गिना जा सकता है। और ये उपलब्धियां भी रचनात्मक कर्मयोग को प्रोत्साहित करने वाली हों, समाज और देश के कल्याण में सम्बल देने वाली हों तथा इनके लिए समाज से किसी भी प्रकार की आशा या अपेक्षा नहीं हो। न प्राप्ति, न सम्मान-अभिनन्दन, और न ही धन्यवाद या आभार पाने की कोई तमन्ना। रोजमर्रा की दिनचर्या में दूसरों से कुछ अलग कुछ बेहतर और अन्यतम करने का माद्दा होने पर ही उपलब्धियां पायी जा सकती हैं।

मणिपुर से सबक ले केंद्र सरकार

लेखक-सनत जैन/ मणिपुर में सीरिया और लीबिया जैसे हालात

पिछले डेढ़ माह से मणिपुर में कुकी और मेतई समुदाय के बीच आरक्षण को लेकर जो जातीय हिंसा शुरू हुई है। वह थमने का नाम नहीं ले रही है। भाजपा के एक सांसद और केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री राजकुमार रंजन के घर में भीड़ द्वारा आग लगा दी गई। मणिपुर के मंत्रियों और कई विधायकों के घर जला दिए गए। मणिपुर राज्य में 65000 से अधिक सैन्य बल तैनात है। कर्फ्यू कई बार लगाया गया। कई बार इंटरनेट बंद किया जा चुका है, अभी भी बंद है। मणिपुर के कई थानों एवं सुरक्षा बलों के ठिकाने से बड़ी मात्रा में हथियार लूट लिए गए। दोनों ही पक्ष के उन्मादी भीड़ एक दूसरे समुदाय के ऊपर हमले कर रहे हैं। एंबुलेंस में 3 घायलों को पुलिस अभिरक्षा में जिंदा जला दिया गया। दोनों ही समुदायों के लोगों द्वारा बड़े पैमाने पर सैन्य बलों की तैनाती होते हुए भी, बड़े पैमाने पर हिंसा की जा रही है। राज्य के मुख्यमंत्री भड़काऊ बयान दे रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मणिपुर दौरे में गए थे। उन्होंने स्थिति पर काबू करने के लिए हरसंभव कोशिश की। पिछले 3 वर्षों में जिस तरह से बहुसंख्यक मैतई समुदाय और वहां की सरकार द्वारा कुकी नगा समुदाय की अनदेखी कर उसे प्रताड़ित किया जा रहा है। जिससे नाराज होकर मणिपुर में दोनों समुदायों के बीच अस्तित्व को लेकर आर पार की लड़ाई शुरू हो गई है। सत्ता पक्ष के ऊपर किसी का विश्वास नहीं रहा। दोनों ही समुदाय के लोग बड़ी संख्या में मारे जा रहे हैं। अभी तक 100 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। सत्तापक्ष, बहुसंख्यक वर्ग को भी सुरक्षित नहीं रख पा रहा है। डबल और ट्रिपल एंजिन की सरकार होते हुए भी, केंद्र और राज्य सरकार स्थिति पर नियंत्रण नहीं कर पा रही है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात है कि मणिपुर के मुख्यमंत्री वीरेन सिंह दावा कर रहे हैं, कि इस गड़बड़ी में विदेशी घुसपैठियों का हाथ है। मेतई समुदाय मणिपुर में बहुसंख्यक है बहुसंख्यक समाज का समर्थन पाने के लिए सरकार द्वारा आरक्षण का लॉलीपॉप दिया गया। मेतई समुदाय के लोग कई जातियों में बंटे हुए हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी वहां पिछले दो-तीन वर्षों से अति-सक्रिय है। दोनों समुदाय के बीच हिन्दु और ईसाई का ध्रुवीकरण किया गया। सैकड़ों चर्च जला दिये गए। विभिन्न जातियों के बीच में सुनियोजित रूप से वैमनस्य फैलाया गया। वोटों की राजनीति ने मणिपुर को, सीरिया और लीबिया जैसा बना दिया है। एल. निशीकांत सिंह लेफ्टिनेंट जनरल के पद से रिटायर हुए हैं। उनका कहना है कि मेरे राज्य में आज अराजकता का जो माहौल है। उसमें कोई भी व्यक्ति किसी की भी जान ले सकता है। किसी की भी संपत्ति को नुकसान पहुंचा सकता है। जैसे लीबिया, नाइजीरिया और सीरिया के हालात हैं। वैसे ही हालात मणिपुर के हो गए हैं। केंद्र और राज्य सरकार यहां के लोगों की बात नहीं सुन रही है। हमें यहां पर, अपने ही हाल में छोड़ दिया गया है। मणिपुर राज्य में केंद्र सरकार और राज्य सरकार के ऊपर, दोनों ही समुदाय के लोगों को विश्वास नहीं रहा। केंद्रीय मंत्री अमित शाह का दौरा भी काम में नहीं आया। मणिपुर से जानकारी मिल रहा है। उसके अनुसार यदि शांति स्थापित करना है, तो वहां के लोगों को भरोसा दिलाना पड़ेगा। दोनों समुदायों के उनके हितों की रक्षा करनी होगी। वर्तमान स्थिति में केंद्र सरकार यदि सभी राजनीतिक दलों को साथ लेकर इस समस्या के समाधान के लिए आगे आना होगा। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो मणिपुर की स्थिति आने वाले दिनों में और भी विस्फोटक होगी। याद रखना होगा, कि बंदूक के बल पर शासन संभव नहीं है। एक मच्छर को मारना भी बड़ा मुश्किल होता है। 65 हजार से अधिक सैन्य बल तैनात होने के बाद भी लाखों की आवादी वाले राज्य को स्थिति पर काबू नहीं कर पा रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकार को अपना हठ छोड़कर, विपक्षी दलों के साथ-साथ वहां के सभी समुदायों के बीच में विश्वास कायम करने की कोशिश करनी होगी। समय रहते समस्या नहीं सुलझाया गया तो इसका असर पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में भी पड़ना तय है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीएसई सेंसेक्स उछला, रिलायंस को हुआ 63,259 करोड़ का फायदा

नई दिल्ली ।

बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स पिछले हफ्ते 758.95 अंक यानी 1.21 प्रतिशत के लाभ में रहा। हफ्ते के अंतिम दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 466.95 अंक यानी 0.74 प्रतिशत की बढ़त के साथ 63,384.58 अंक के रेकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। पिछले हफ्ते सेंसेक्स की टॉप 10 में से छह कंपनियों के मार्केट कैप में कुल 1,13,703.82 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, आईटीसी, इन्फोसिस, एचडीएफसी, और भारती एयरटेल के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन घट गया। बीते सप्ताह की बात करें तो रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 63,259.05 करोड़ रुपये बढ़कर 17,42,415.47 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसके बाद सबसे ज्यादा फायदा हिंदुस्तान यूनिलीवर को हुआ। कंपनी की बाजार हैसियत 18,737.99 करोड़ रुपये बढ़कर 6,38,019.76 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। एफएमसीजी कंपनी आईटीसी का बाजार मूल्यांकन 18,331.32 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 5,63,237.76 करोड़ रुपये रहा।

देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कपनी इन्फोसिस का मूल्यांकन 11,059.41 करोड़ रुपये चढ़कर 5,36,433.55 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वहीं भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 2,016.08 करोड़ रुपये बढ़कर 4,66,412.79 करोड़ रुपये पर और एचडीएफसी की 299.97 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 4,89,496.34 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। इस के विपरीत टाटा ग्रुप की कंपनी टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 12,879.86 करोड़ रुपये घटकर 11,61,840.29 करोड़ रुपये पर आ गया। शुक्रवार को कंपनी के शेयरों में एक फीसदी से अधिक गिरावट आई। इससे कंपनी को 15,000 करोड़ रुपये से अधिक का झटका लगा। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई का 6,514.97 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 5,09,863.08 करोड़ रुपये पर आ गया। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 4,722.95 करोड़ रुपये घटकर 8,95,458.57 करोड़ रुपये रह गई।

बिजली की अधिकतम मांग इन गर्मियों में 229 गीगावॉट तक नहीं पहुंच पाएगी

नई दिल्ली। बिजली की अधिकतम मांग इन गर्मियों में संभवतः229 गीगावॉट पर नहीं पहुंच पाएगी। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि बेमौसम बरसात और बिपारजॉय चक्रवात के आगे पड़ने वाले प्रभावों की वजह से बिजली की मांग के इस स्तर पर पहुंचने की संभावना नहीं है। उद्योग विशेषज्ञों ने कहा कि बेमौसम बारिश ने मांग को प्रभावित किया है और गर्मियों के दौरान तापमान में गिरावट आई है। इसके चलते एयर कंडीशनर जैसे ठंडक प्रदान करने वाले उपकरणों का इस्तेमाल कम हुआ है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) का अनुमान है कि इन गर्मियों में बिजली की अधिकतम मांग 229 गीगावॉट पर पहुंच जाएगी। विशेषज्ञों का कहना है कि बेमौसम बारिश और चक्रवात के प्रभाव के कारण बिजली मांग के इस स्तर पर पहुंचने की उम्मीद नहीं है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने अप्रैल-जून के दौरान बिजली की अधिकतम मांग 229 गीगावॉट पर पहुंचने का अनुमान जताया है। विशेषज्ञों का कहना है कि जुलाई तक पूरे देश में मानसून सक्रिय हो जाएगा और मौसमी बारिश के कारण फिर से बिजली की मांग में कमी आएगी। अभी तक अधिकतम बिजली की मांग नौ जून, 2023 को 223.23 गीगावॉट के सर्वकालिक रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंची थी। इसके बाद 10 जून को यह घटकर 219.30 गीगावॉट और 11 जून को 206.66 गीगावॉट पर आ गई। एक दिन में अधिकतम आपूर्ति 12 जून को फिर बढ़कर 218.67 गीगावॉट हो गई लेकिन 13 जून को यह घटकर 215.35 गीगावॉट और 14 जून को 214.58 गीगावॉट रह गई। 15 जून को अधिकतम बिजली की मांग 210.90 गीगावॉट थी।

भारत-ब्रिटेन एफटीए दोनों देशों के हित में होना चाहिएः फिक्की प्रमुख

लंदन । भारत के प्रमुख व्यापार निकाय फिक्की ने कहा कि मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को लेकर यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि वे समान अवसर प्रदान करे। भारत-ब्रिटेन एफटीए के लिए हाल में 10वें दौर की वार्ता पूरी हुई है। भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) के अध्यक्ष सुभ्रकांत पांडा ने कहा कि यह एफटीए दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद होना चाहिए। लंदन की यात्रा पर आए पांडा ने यहां व्यापारियों और सांसदों से चर्चा के दौरान कहा कि जहां तक भारतीय व्यवसायों का मामला है, हम प्रतिस्पर्धी, आत्मविश्वास से भरपूर और दुनिया से जुड़ने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि एफटीए को यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि वे समान अवसर प्रदान करें और नियम-आधारित हों। यह देने और लेने के बारे में है। स्पष्ट रूप से दोनों सरकारें गहन विचार-विमर्श में लगी हुई हैं और 10 दौर पूरे हो चुके हैं। इसलिए मैं यह कहूंगा कि दोनों सरकारों को साझा जमीन तलाशनी होगी क्योंकि यह समझौता सभी के लिए फायदेमंद होना चाहिए। भारत और ब्रिटेन पिछले वर्ष जून से एफटीए पर वार्ता कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ और हरियाणा में पेट्रोल और डीजल महंगा

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में रे विवार को कोई बदलाव नहीं किया गया है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 71.78 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 76.61 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल 50 पैसे और डीजल 49 पैसे महंगा हो गया है। हरियाणा में पेट्रोल और डीजल की कीमत में 21 पैसे की बढ़ोतरी है। महाराष्ट्र में भी पेट्रोल 22 पैसे और डीजल 21 पैसे महंगा हो गया है। इसके अलावा तेलंगाना, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश और ओडिशा समेत कुछ अन्य राज्यों में भी पेट्रोल-डीजल महंगा हुआ है। वहीं पश्चिम बंगाल में पेट्रोल की कीमत 44 पैसे और डीजल की 41 पैसे कम हुई है। हिमाचल प्रदेश में भी पेट्रोल-डीजल की कीमत में गिरावट है। चेन्नई में पेट्रोल और डीजल के दाम गिरे हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर है।

मानसून में देरी से बढ़ सकती है महंगाई

मुंबई । मानसून की देरी खरीफ के मौसम की बुवाई पर असर डाल रही है। यदि मानसून की रफतार न सुधरी तो भारत में महंगाई का नया दौर शुरू हो सकता है। जर्मनी की की एक ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि मानसून आने में देरी होने से काबू में आती दिख रही मुद्रास्फीति में तेजी आ सकती है। फर्म ने एक रिपोर्ट में कहा कि भारत में अभी तक बारिश सामान्य से 53 प्रतिशत कम हुई है। इसके अलावा जुलाई में आम तौर पर खाद्य उत्पादों के दाम बढ़ते रहे हैं। ऐसी स्थिति में मुद्रास्फीति के मोर्चे पर ढिलाई बरतने की कोई भी गुंजाइश नहीं है। ब्रोकरेज फर्म ने वित्त वर्ष 2023-24 में मुद्रास्फीति के 5.2 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। वहीं रिजर्व बैंक का अनुमान 5.1 प्रतिशत मुद्रास्फीति का है। उसने कहा कि चालू वित्त वर्ष में मुद्रास्फीति पांच प्रतिशत या उससे नीचे तभी रह सकती है जब जुलाई एवं अगस्त के महीनों में खाद्य उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी न हो। रिपोर्ट के मुताबिक अल-नीनो के हालात बनने और मानसून आने में देरी होने से हालात मुद्रास्फीति के नजरिये से चिंताजनक हो सकते हैं। देश भर में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन में विलंब होने से खरीफ सत्र की फसलों की बुवाई देर से हुई है। हाल ही में जारी आंकड़ों के मुताबिक, मई महीने में खुदरा मुद्रास्फीति के साथ थोक मुद्रास्फीति में भी गिरावट आई है।

(शेयर बाजार समीक्षा) वैश्विक घटनाक्रम और मानसून की प्रगति से तय होगी बाजार की चाल

- रुपए के उतार-चढ़ाव और कच्चे तेल की कीमतों पर भी रहेगी नजर

मुंबई ।

इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक शेयर बाजारों के रुख, विदेशी कोषों की कारोबारी गतिविधियों और मानसून की प्रगति पर निर्भर करेगी। इसके अलावा निवेशकों की निगाह रुपए के उतार-चढ़ाव और कच्चे तेल की कीमतों पर भी रहेगी। विश्लेषकों के अनुसार घरेलू और वैश्विक दोनों बाजार में बीते सप्ताह आर्थिक आंकड़ों की भरमार रही। उम्मीद से बेहतर आर्थिक आंकड़ों के निरंतर प्रवाह ने घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक भावनाओं को बनाए रखने में मदद की। विशेष रूप से खुदरा महंगाई (सीपीआई), थोक महंगाई (डब्ल्यूपीआई) और औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) आंकड़ों ने निवेशकों की आशाएं बढ़ाने में योगदान दिया। मुख्य रूप से खाद्य मुद्रास्फीति में नरमी और अनुकूल आधार के कारण घरेलू सीपीआई आंकड़ा रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा निर्धारित लक्ष्य के करीब पहुंच गया, जिससे वर्ष समाप्त होने से पहले नीतिगत दरों में कटौती की संभावना बढ़ गई।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 758.95 अंक अर्थात 1.2 प्रतिशत की तेजी लेकर सप्ताहांत पर 63384.58 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 262.6 अंक यानी 1.4 प्रतिशत मजबूत होकर 18826 अंक पर रहा।

बाजार विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में बढ़ोतरी नहीं की है, जिससे स्थानीय बाजार की धारणा मजबूत हुई। इसके अलावा सकारात्मक वैश्विक संकेतों तथा विदेशी कोषों के प्रवाह से भी बाजार को मदद मिली। एक वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक ने कहा कि भारतीय बाजार की मानसून की प्रगति पर नजर है।

वैश्विक स्तर पर आने वाले सप्ताह में अमेरिकी बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है। इसकी वजह यह है कि फेडरल रिजर्व के चेयरमैन को अमेरिकी कांग्रेस में अर्द्ध वार्षिक ब्योरा देना है। इस सप्ताह शेयर बाजार की दिशा घरेलू और वैश्विक संकेतकों, कच्चे तेल के दाम, वैश्विक बाजारों का रुख और विदेशी और घरेलू संस्थागत निवेशकों के प्रवाह से तय होगी।

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि आगे चलकर अमेरिकी बाजारों की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। इस सप्ताह रूस-यूक्रेन संकट का असर बाजार पर देखा जा सकेगा। साथ ही बाजार को दिशा देने में रुपए के प्रदर्शन और एफआईआई और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की लिवाली की भी अहम भूमिका रहेगी।

पतंजलि फूड्स पाम तेल कारोबार में करेगी 1,500 करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली ।

पतंजलि फूड्स लिमिटेड पाम तेल कारोबार में बड़ा निवेश करने वाली है। जानकारी के अनुसार कंपनी की अगले पांच साल में 1,500 करोड़ रुपए के निवेश की योजना है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संजीव अस्थाना ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इसमें से ज्यादातर निवेश पाम तेल कारोबार पर किया जाएगा। कंपनी अपनी उत्पाद पेशकश और वितरण पहुंच का विस्तार कर रही है। कंपनी (पूर्व में रुचि सोया) का अगले पांच साल में 45,000-50,000 करोड़ रुपए के कारोबार का लक्ष्य है। अस्थाना ने कहा कि हमारा अनुमान है कि अगले पांच साल में हम लगभग 1,200 करोड़ से 1,500 करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय करेंगे। अधिकांश निवेश चौथे और पांचवें साल में होगा। निवेश का बड़ा हिस्सा पाम तेल कारोबार पर होगा। पाम तेल की खेती पर अस्थाना ने कहा कि हमारे पास लगभग 64,000 हेक्टेयर जमीन है। हमारे पास पहले से ही एक बड़ा कारोबार है। हमने खाद्य तेल-पाम तेल पर राष्ट्रीय मिशन के तहत पूर्वोत्तर के पांच राज्योंज्असम, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, त्रिपुरा और नगालैंड में पांच लाख हेक्टेयर पर पाम की खेती और करने की प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत में हम आंध्र प्रदेश में पहले से बड़े स्तर पर मौजूद हैं। अब हम तेलंगाना और कर्नाटक में बड़े स्तर पर जा रहे है। इसके अलावा हम अन्य राज्यों ओड़िशा, छत्तीसगढ़ और गुजरात में भी पहुंच रहे हैं। हम एक काफी बड़ा अभियान चला रहे हैं। कारोबार के लक्ष्य के बारे में उन्होंने कहा कि अभी यह 31,000 करोड़ रुपए से अधिक है और अगले पांच साल में इसके 45,000 करोड़ से 50,000 करोड़ रुपए के बीच रहने की उम्मीद है। पतंजलि कंपनी को भरोसा है कि कि 'न्यूट्रास्यूटिकल्स', हेल्थ बिस्कुट, न्यूट्रेला बाजरा-आधारित अनाज और ड्राई फ्रूट्स में प्रीमियम पेशकश के जरिए उसे अगले पांच साल के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी।

विदेशी निवेशकों ने जून में अब तक किया 16400 करोड़ का निवेश

मुंबई । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) का भरोसा भारतीय बाजार पर अब भी बरकरार है। एफपीआई जून में अब तक नेट बायर्स बने हुए हैं। इतना ही नहीं, इस साल अब तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार में अच्छा-खासा निवेश किया है। एफपीआई ने मई में भारतीय बाजार में 43000 करोड़ रुपए का निवेश किया था, जो कि पिछले 9 महीनों में सबसे अधिक निवेश है। विदेशी निवेशक फाइनेंशियल, ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट्स, कैपिटल गुड्स और कंस्ट्रक्शन से जुड़े शेयरों में खरीदारी कर रहे हैं। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार भारतीय इक्विटी में एफपीआई का निवेश जून में अब तक 16406 करोड़ रुपए रहा। मई में एफपीआई ने 43,838 करोड़ रुपए का निवेश किया। यह 2023 के साथ ही पिछले साल नवंबर के बाद से सबसे अधिक निवेश है। विदेशी निवेशकों ने फाइनेंशियल और ऑटो शेयरों में जमकर निवेश किया है। हालांकि आईटी, मेटल, पावर और टैक्सटाइल से जुड़े शेयरों में बिकलावी देखी गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि एफपीआई में रुझान आगे भी जारी रहने की संभावना है। इससे पता चलता है कि विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था और कॉर्पोरेट सेक्टर की संभावित आय पर भरोसा बढ़ा है। विदेशी निवेश कम्युनिटी के बीच इस बात पर लगभग सहमति है कि बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच भारत की ग्रोथ और कमाई बेहतर है।

500 के नोट गायब होने की खबर सही नहीं: आरबीआई

मुंबई ।

एक रिपोर्ट आई कि देश की अर्थव्यवस्था से बड़ी संख्या में 500 के नोट गायब हो चुके हैं। यह दावा एक आरटीआई एक्टिविस्ट की फाइलिंग के बाद किया गया। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद जबरदस्त बवाल मचा। जिसके बाद भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को सफाई देनी पड़ी। रिजर्व बैंक ने 500 के नोट बड़ी संख्या में गायब होने वाली इस रिपोर्ट को सिरे से नकार दिया और कहा कि यह रिपोर्ट सही नहीं है। भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा कि 500 के नोट गायब होने की रिपोर्ट सही नहीं हैं। केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया कि प्रिंटिंग प्रेसों से आरबीआई को आपूर्ति किए गए सभी बैंक नोटों का विधिवत हिसाब रखा जाता है। आरबीआई की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत प्रिंटिंग प्रेस से प्राप्त जानकारी की गलत व्याख्या से रिपोर्टें निकली है। आरबीआई ने आगे इस बात पर जोर दिया कि प्रेस में छपे बैंक नोटों के मिलान और बाद में आरबीआई को उनकी आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मजबूत प्रणालियां मौजूद हैं। इन प्रणालियों में बैंकनोटों के उत्पादन, भंडारण और वितरण की निगरानी के लिए सख्त प्रोटोकॉल शामिल हैं। गौरतलब है कि मनोरंजन रॉय नाम के एक कार्यकर्ता ने आरटीआई जवाब का हवाला देते हुए दावा किया था कि भारतीय अर्थव्यवस्था से 88,032.5 करोड़ मूल्य के 500 के नोट गायब हो चुके हैं। आरटीआई के आंकड़ों में दावा किया गया है कि तीन टकसालों ने कुल 8,810.65 मिलियन नए डिजाइन वाले 500 रुपए के नोट जारी किए थे। हालांकि आरबीआई को केवल 7,260 मिलियन नोट ही प्राप्त हुए।

भारत दुनिया भर में हमारे सबसे महत्वपूर्ण बाजारों में से एक है: शीर्ष अधिकारी

नई दिल्ली ।

गूगल के लिए भारत सबसे महत्वपूर्ण बाजारों में से एक है। प्रौद्योगिकी कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह अविश्वसनीय प्रतिभा तथा नवाचार का स्रोत है, जिससे वैश्विक स्तर पर कंपनी के उत्पादों को तैयार करने और उन्हें बेहतर बनाने में मदद मिलती है। गूगल के प्रशासनिक मामलों और सार्वजनिक नीति के वैश्विक प्रमुख करन भाटिया ने बताया कि कंपनी भारत को लेकर बहुत उत्साहित है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया भर में हमारे सबसे महत्वपूर्ण बाजारों में से एक है। यह वास्तव में हमारे लिए दूसरा घर है। हम भारत में लगभग दो दशकों से हैं। वहां हमारे हजारों कर्मचारी हैं। यह अविश्वसनीय प्रतिभा और नवाचार दोनों का एक स्रोत है, जिससे दुनिया भर में गूगल उत्पादों को तैयार करने और उन्हें बेहतर बनाने में मदद मिलती है। भाटिया ने कहा कि यह एक गतिशील बाजार है, जहां आप इंटरनेट के उपयोग और नए छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप दोनों में उछाल देखते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में भारत ने एक अविश्वसनीय वृद्धि देखी है, और इंटरनेट का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। इंटरनेट का उपयोग विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ा है और डिजिटल लेनदेन बढ़ा है। हम अधिक यूनिकॉर्न, अधिक स्टार्टअप, अधिक कंपनियां देख रहे हैं, जो डिजिटल रूप से सोच रहे हैं। और फिर आप एक ऐसी सरकार देख रहे हैं जो वास्तव में डिजिटलीकरण, डिजिटल नीतियों की महत्वपूर्ण भूमिका को समझती है। भाटिया ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की शुरू से ही डिजिटल को प्राथमिकता देने वाली सोच रही है। आप देख सकते हैं कि किस तरह उन्होंने सरकार को डिजिटल तकनीक अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया है।

देश में इस साल 10,000 जन औषधि केंद्र खोलने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

देश में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र की संख्या लगातार बढ़ रही है। सरकार ने जन-औषधि केंद्रों की संख्या बढ़ाने के लिए आवेदन मंगाए हैं और इस साल के अंत तक ऐसे लगभग 10,000 केंद्रों का परिचालन होने की उम्मीद है। फार्मास्युटिकल्स एंड मेडिकल डिवाइसेज ब्यूरो ऑफ इंडिया (पीएमबीआई) के सीईओ रवि दधीच ने कहा कि देशभर में इस साल के अंत तक 10,000 जन औषधि केंद्रों का परिचालन होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पिछली 31 मई तक देश भर में कुल 9,484 जन औषधि केंद्र सक्रिय थे।

दधीच ने गुरुग्राम स्थित सेंट्रल वेयरहाउस में मीडिया से कहा कि इन केंद्रों को स्थापित करने के लिए आवेदन मंगाए गए हैं। प्रधानमंत्री भारतीय जन-औषधि परियोजना के अंतर्गत देशभर में 4 वेयरहाउस हैं जो गुरुग्राम, चेन्नई, गुवाहाटी और सूरत में मौजूद हैं। गुरुग्राम स्थित सेंट्रल वेयरहाउस सबसे बड़ा है। दधीच ने बताया कि पीएमबीजेपी फिलहाल 1,800 दवाइयों के साथ-साथ शल्य क्रिया के 285 उपकरण गुणवत्ता से समझौता किए बिना काफी किफायती कीमतों पर उपलब्ध करा रहा है। बता दें कि सस्ती कीमत पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रसायन और उर्वरक मंत्रालय के फार्मास्यूटिकल्स विभाग द्वारा प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना शुरू की गई थी।

इस योजना के तहत, जेनरिक दवाओं के लिए जन औषधि केंद्र के आउटलेट खोले गए। इन दवाओं को ब्रांडेड दवाओं की तुलना में 50-90 फीसदी कम कीमत पर बेचे जाते हैं।

इरडा ने बीमा कंपनियों से कहा- बिपरजॉय के कारण दावों को जल्द निपटाएं

नई दिल्ली ।

भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने बीमा कंपनियों को चक्रवात बिपरजॉय से प्रभावित राज्यों में दावों का निपटान जल्द से जल्द करने का निर्देश दिया। इरडा ने सभी जनरल इंश्योरेंस कंपनियों और हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों के चीफ एग्जक्यूटिव ऑफिस को संबोधित एक अधिसूचना में कहा कि सभी दावों का तत्काल सर्वेक्षण किया जाए और दावा भुगतान जल्द से जल्द हो और इसमें निर्धारित सीमा से ज्यादा समय न लगे। इरडा ने कहा कि बीमा कंपनियां पॉलिसीधारक को दावा करते समय और सभी संबंधित दस्तावेज दाखिल करते समय पत्राचार के लिए इलेक्ट्रॉनिक कम्युनिकेशन का अधिकतम उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करेंगी। यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए जाएंगे कि दावों के मूल्यांकन के लिए यथासंभव डिजिटल प्रक्रियाओं का सहारा लिया जाए।चक्रवात बिपरजॉय से कई राज्यों में संपत्तियों (होम और बिजनेस) समेत बुनियादी ढांचों का भारी नुकसान होने की संभावना है। नियामक ने बीमा कंपनियों से कहा है कि वे तत्काल सेवा प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए सभी संसाधन जुटाएं। इसमें चक्रवात के बाद प्रभावित लोगों के दावों के त्वरित निपटान के लिए जांचकर्ताओं, सर्वेक्षकों और नुकसान समायोजकों की सेवाएं शामिल हैं। अधिसूचना में कहा गया कि बीमा कंपनियां दावा निपटान टीमों के साथ त्वरित प्रसंस्करण और दावों के निपटान के लिए 24 घंटे चलने वाली अपनी हेल्पलाइन, जिला स्तर पर विशेष दावा काउंटर के माध्यम से दावेदारों की सहायता करेंगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वेस्टइंडीज दौरे के लिए भारतीय टीम में बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं , विराट,पजारा और रहाणे टीम में बने रहेंगे

मुम्बई । ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में विश्व टेस्ट चैम्पयनशिप (डब्ल्यूटीसी) में हार के बाद भी भारतीय टीम के अनुभवी खिलाड़ियों को एक और अवसर मिल सकता है। पहले माना जा रहा था कि इस हार के बाद अच्छा प्रदर्शन करने में असफल रहे अनुभवी खिलाड़ियों को बाहर कर उनकी जगह पर युवाओं को रखा जाएगा पर अब ऐसा होता नजर नहीं आ रहा। अब वेस्टइंडीज के खिलाफ भी रोहित, विराट, पुजारा जैसे अनुभवी खिलाड़ी टीम में रहेंगे। वहीं युवाओं को धीरे-धीरे टीम में जगह मिलेगी। दोनों देशों के बीच अभी दो टेस्ट मैच खेले जाने हैं। पहले कहा जा रहा था कि इस टेस्ट सीरीज में युवा यशस्वी जायसवाल और ऋतुराज गायकवाड़ को अवसर मिल सकता है पर अब कहा जा रहा है कि बीसीसीआई टीम में बदलाव तो करेगी पर ये एकदम से न होकर चरणबद्ध तरीके से होगा। . टीम में बदलाव के दौरान चयनकर्ता पुरानी गलती को दोहराना नहीं चाहते। गौरतब है कि साल 2012-14 के दौरान भारतीय क्रिकेट के चार प्रमुख खिलाड़ियों राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण, सौरव गांगुली और सचिन तेंदुलकर ने कुछ ही समय के अंदर संन्यास ले लिया था। इसके बाद दोबारा भारतीय टेस्ट टीम को तैयार करने में काफी समय लग गया था क्योंकि तब इनके बैकअप पहले से तैयार नहीं थे।

तीरंदाजी विश्व कप : अभिषेक ने व्यक्तिगत स्पर्धा में जीता स्वर्ण

मेडेलिन ।

भारत के अभिषेक वर्मा ने अमेरिका के जेम्स लुट्ज को हराकर तीरंदाजी विश्व कप की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। भिषेक ने चरण तीन की पुरुष कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में ये स्वर्ण पदक जीता। 33 साल के वर्मा ने फाइनल में अमेरिका के लुट्ज को 148-146 से हराया। अभिषेक शुरुआती दो चरण से बाहर रहने के बाद वापसी कर रहे थे। उन्होंने इससे पहले रोमांचक व्यक्तिगत फाइनल में विश्व के नंबर एक तीरंदाज और शीर्ष वरीयता प्राप्त नीदरलैंड के माइक क्लोसेर को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। इस भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद अंतिम चार के मुकाबले में ब्राजील के लुकास अब्रेयू को हराकर फाइनल में जगह बनायी थी। अभिषेक का यह तीसरा व्यक्तिगत विश्व कप स्वर्ण पदक है। यह साल 2021 पेरिस चरण के बाद उनका पहला स्वर्ण है। इससे पहले उन्होंने अपना पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक पोलैंड के रॉक्लॉ में साल 2015 में जीता था। अभिषेक ने इससे पहले विश्व कप के व्यक्तिगत वर्ग में दो रजत और एक कांस्य पदक भी जीता है। वहीं भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में अब तक एक स्वर्ण और तीन कांस्य पदक जीते हैं।

श्रीशंकर ने विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया

भुवनेश्वर ।

भारत के लंबी कूद के खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर ने विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। मुरली ने राष्ट्रीय अंतर राज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप के क्वालीफाइंग दौर में अपने पहले ही प्रयास में 8.41 मीटर के प्रयास के साथ ही विश्व चैंपियनशिप के लिए प्रवेश हासिल किया।

श्रीशंकर हालांकि जेस्विन एल्ड्रिन के 8.42 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी नहीं कर पाये। वह इसमें एक सेंटीमीटर पीछे रह गये। एल्ड्रिन ने इसी साल राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। श्रीशंकर का यह अब निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। केरल की ओर से खेलने वाले श्रीशंकर ने स्पर्धा के बाद कहा, 'हवा मापदंड के अनुसार थी, यह 1.5 मीटर प्रति सेकेंड थी। इसी कारण मैं राष्ट्रीय रिकॉर्ड नहीं बना पाया।

एल्ड्रिन ने 7.83 मीटर के प्रयास के साथ दूसरा जबकि मोहम्मद अनीस याहिया ने 7.71 मीटर की दूरी के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं 12 खिलाड़ियों ने फाइनल में जगह बनाई।

गौरतलब है कि पुरुष लंबी कूद में विश्व चैंपियनशिप का क्वालीफाइंग स्तर 8.25 मीटर है। वहीं महिला लंबी कूद क्वालीफिकेशन में केरल की ऐंसी सोजन ने 6.49 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ एशियाई खेलों का 6.45 मीटर का क्वालीफाइंग स्तर हासिल किया। केरल की ही नयना जेम्स ने 6.31 मीटर के साथ दूसरा जबकि उत्तर प्रदेश की शैली सिंह (6.27 मीटर) ने तीसरा स्थान हासिल किया। गोला फेंक में एशियाई रिकॉर्ड धारक तेजिंदरपाल सिंह तूर 18.91 मीटर के प्रयास के साथ शीर्ष पर रहे लेकिन वह एशियाई खेलों का 19 मीटर का क्वालीफाइंग स्तर हासिल नहीं कर पाए। पुरुष भाला फेंक में तीन खिलाड़ियों ने 78.23 मीटर का एशियाई खेलों का क्वालीफाइंग स्तर हासिल किया। ओडिशा के किशोर कुमार जेना 79.96 मीटर की दूरी के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहे।

सात्विकसाईराज और चिराग ने इंडोनेशिया ओपन जीता

जकार्ता ।

भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ने इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन खिताब जीतकर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। सात्विकसाईराज और चिराग सुपर 1000 स्तर की प्रतियोगिता जीतने वाली भारत की पहली युगल जोड़ी है। सात्विकसाईराज और चिराग ने 43 मिनट के अंदर ही फाइनल में मलेशियाई खिलाड़ियों आरोन चिया और वूई यिक सोह की जोड़ी को 21-17, 21-18 से हराया। भारतीय जोड़ी के तेज और आक्रामक खेल का मलेशियाई खिलाड़ियों के पास कोई जवाब नहीं था। खेलमंत्री अनुराग ठाकुर ने इस एतिहासिक सफलता पर इस जोड़ी को बधाई देते हुए उनकी जमकर प्रशंसा की है।

शुरुआत से ही पहलवानों के प्रदर्शन के पक्ष में नहीं थीं: बबीता

नई दिल्ली ।

महिला पहलवान साक्षी मलिक और भाजपा नेता बबीता फोगाट अब आमने-सामने आ गयी हैं। जहां साक्षी ने शनिवार को एक वीडियो में आरोप लगाया था कि उन्हें कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष ब्रजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धरने की अनुमति बबीता ने दिलायी थी। वहीं बबीता ने साक्षी और उनके पति का एक वीडियो देख रही थी , सबसे पहले तो मैं ये स्पष्ट कर दूं कि जो अनुमति का काग़ज़ छोटी बहन दिखा रही थी उस पर कहीं भी मेरे हस्ताक्षर या मेरी सहमती का कोई प्रमाण नहीं है और ना ही दूर-दूर तक इससे मेरा कोई लेना देना है।

बबीता ने कहा कि मैं पहले दिन से कहती रही हूं कि माननीय प्रधानमंत्री जी पर एवं देश की न्याय व्यवस्था पर विश्वास रखिए, सत्य अवश्य सामने आएगा। एक महिला खिलाड़ी होने के नाते मैं सदैव देश के सभी खिलाड़ियों के साथ थी, साथ हूं और सदैव साथ रहूंगी परंतु मैं धरने-प्रदर्शन की शुरुआत से इस चीज़ के पक्ष में नहीं थी, मैंने बार-बार सभी पहलवानों से ये कहा कि आप माननीय प्रधानमंत्रीया गृहमंत्री जी से मिलो समाधान वहीं से होगा लेकिन आपको समाधान नहीं चाहिए। आप कांग्रेस के हाथ की कठपुतली बन गयी थीं। अब समय आ गया है कि आपको आपकी वास्तविक मंशा बता देनी चाहिए क्योंकि अब जनता आपसे सवाल पूछ रही है।

वहीं साक्षी ने कहा कि वे इतने वर्षों से मौन थे क्योंकि पहलवान एकजुट नहीं थे। रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता ने कहा, ''आपने देखा कि नाबालिग अपने बयान से पीछे हट गई है। उसके परिवार को डराया गया है। ये पहलवान गरीब परिवार से ताल्लुक रखते हैं। ताकतवर व्यक्ति के खिलाफ साहस जुटाना आसान नहीं है। वहीं साक्षी के पति ने कहा, ''मैं आपको स्पष्ट कर दूं कि हमारा विरोध राजनीति से प्रेरित नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

वेस्टइंडीज में टेस्ट सीरीज के बाद इंग्लिश काउंटी में खेलेंगे रहाणे

मुम्बई । ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे अब एक बार फिर इंग्लिश काउंटी टीम लीसेस्टरशर की ओर से डिविजन दो में खेलेंगे। इससे पहले उन्होंने साल 2019 सत्र में हैम्पशर की ओर से खेला था। रहाणे ने डब्ल्यूटीसी से पहले आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया था और उसी के बाद उनकी भारतीय टीम में वापसी हुई थी। रहाणे ने जनवरी में लीसेस्टशर के साथ करार किया था और आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर से खेलने के बाद उन्हें जून से सितंबर के बीच आठ प्रथम श्रेणी मैच के अलावा पूरा रॉयल लंदन कप (50 ओवर का घरेलू टूर्नामेंट) खेलना था। हालांकि भारतीय टेस्ट टीम में वापसी के कारण वह इस काउंटी टीम से नहीं खेल पाये थे। माना जा रहा है कि रहाणे वेस्टइंडीज में दो टेस्ट खेलने के बाद सीधे इंग्लैंड के लिए रवाना होंगे और बाकी सत्र के लिए लीसेस्टरशर से जुड़ेंगे। वह अगस्त में रॉयल लंदन कप में खेलेंगे और सितंबर में संभवत- चार काउंटी मैच खेलेंगे क्योंकि उन्हें सीमित ओवरों की टीम में जगह मिलने की उम्मीद नहीं है।

अंतिम सत्र में कमजोर प्रदर्शन से इंग्लैंड को नुकसान हुआ : हुसैन

बर्मिंघम। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन के अनुसार शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज टेस्ट मैच के दूसरे दिन उनकी टीम का प्रदर्शन अंति सत्र में कमजोर रहा। आखिरी सत्र में इंग्लैंड थोड़ा सुस्त था। इसी कारण ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों उस्मान ख्वाजा ने शतक और एलेक्स केरी के अर्धशतक लगाकर अपनी टीम को संभाल लिया। हुसैन ने कहा, इस पिच ने स्पिन करना शुरू कर दिया था, मुझे लगा कि स्पिनर मोईन अली ने अच्छी गेंदबाजी की, पर फिर मुझे लगा कि वे उस आखिरी सत्र में थोड़े सुस्त थे। हुसैन ने कहा कि अंतिम सत्र में हमने स्टंपिंग के अवसर गंवाने के साथ ही कैच छोड़ दिये। इसी से हमें नुकसान हुआ। साथ ही कहा कि इस टीम के बहुत से लोगों ने बहुत अधिक क्रिकेट नहीं खेली है। यह केवल एक कौशल-आधारित चीज नहीं है, यह फिटनेस है। यह आखिरी सत्र में दिखेगा। उन्होंने साथ ही कहा कि दूसरा दिन बल्लेबाजों के पक्ष में रहा है। इससे इंग्लैंड को विकेट लेने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। हुसैन ने कहा, दूसरा दिन, एजबेस्टन में आमतौर पर बल्लेबाजी के लिए अच्छा दिन होता है। यह धीमी, उबड़-खाबड़ पिच है, जिस पर उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। इसमें डेविड वॉर्नर, मारनस लाबुस्चगने और स्टीव स्मिथ के शुरुआती विकेट गंवाने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने 67 रनों पर ही तीन विकेट गंवा दिये। इसके बाद उस्मान ख्वाजा और ट्रैविस हेड ने टीम को संभाला। इंग्लैंड की ओर से स्टुअर्ट ब्रॉड सबसे अच्छे गेंदबाज थे जिन्होंने 2 विकेट लिए। अंतरराष्ट्रीय टेस्ट क्रिकेट में वापसी करते हुए, मोईन ने भी दो विकेट लिए जबकि कप्तान बेन स्टोक्स को एक विकेट मिला।

यूपी के जरिये पहली बार पूरा देश देखेगा मोटरसाइकिल रेस का रोमांच

लखनऊ ।

रेस हरदम रोमांच पैदा करती है। रंग-बिरंगे कपड़ों में प्रति घंटा 300 किमी या इससे अधिक गति की मोटरसाइकिल रेस तो और भी। फिलहाल उत्तर प्रदेश के जरिये भारत में पहली बार लोग इस रोमांचक रेस का दीदार कर सकेंगे। सिर्फ भारत ही नहीं पूरी दुनिया के करोड़ों लोग मीडिया एवं सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से इसे देख सकेंगे। यह आयोजन मोटो जीपी की तरफ से आने वाले आगामी 22 एवं 23 सितंबर को यहां ग्रेटर नोएडा स्थित बुद्धा इंटरनेशनल सर्किट में होगा। मोटरसाइकिल रेस के आयोजन से देश-दुनिया में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ब्रांड यूपी को और मजबूती मिलेगी। आयोजन के दौरान दुनिया भर से आये मेहमानों को ओडीओपी (एक जिला, एक उत्पाद) के गिफ्ट हैंपर दिए जाएंगे। इससे मुख्यमंत्री की पसंदीदा इस योजना की ब्रांडिंग होगी। साथ ही वैश्विक स्तर पर लोग यूपी की खूबियों से भी वाकिफ होंगे। आयोजन के पहले प्रचार-प्रसार के लिए कुछ महानगरों, खासकर दक्षिण भारत में भी कुछ कार्यक्रम होंगे। इन सभी जगहों और आयोजन स्थल पर भी ओडीओपी के उत्पादों के स्टाल लगाए जाने की योजना है। यह ओडीओपी उत्पादों के ब्रांडिंग में सोने पर सुहागा जैसा होगा। दरअसल, कुछ माह पूर्व द्रोणा स्पोर्ट्स के सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) कार्मेलो ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर मोटरसाइकिल रेस के आयोजन के बाबत चर्चा की थी। उस मुलाकात में मुख्यमंत्री ने सहमति के साथ हर संभव मदद का भी भरोसा दिया था। यहीं से भारत की इस पहली ग्रैंड प्रिक्स (जीपी) मोटरसाइकिल रेसिंग इवेंट की भूमिका तैयार हुई। उल्लेखनीय है कि द्रोणा स्पोर्ट्स के पास वैश्विक स्तर पर इस रेस की आयोजक संस्था मोटो जीपी मोटरसाइकिल रेसिंग स्पोर्ट्स की ओर से व्यावसायिक अधिकार (कॉमर्शियल होल्ड) प्राप्त है। फेयर स्ट्रीट स्पोर्ट्स को यही अधिकार मोटो जीपी की ओर से भारत को प्राप्त हैं। मोटो जीपी मोटरसाइकिल रेसिंग की दुनिया की सबसे एवं प्रतिष्ठित संस्था है। अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस इवेंट से वैश्विक स्तर पर एक आधुनिक और प्रगतिशील राज्य के रूप में उत्तर प्रदेश की पहचान और मुकम्मल होगी। हॉस्पिटैलिटी और टूरिज्म सेक्टर को बढ़ावा मिलेगा। आयोजन स्तर पर दुनिया के करीब 276 ब्रांडों की मौजूदगी निवेशकों को यूपी की संभावनाओं की ओर आकर्षित करेगी।

साक्षी के आरोप निराधार , धरने के लिए मैंने नहीं कहा : बबीता

नई दिल्ली । भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष ब्रजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आंदोलन की प्रमुख सदस्य रहीमहिला पहलवान साक्षी मलिक और पहलवान से राजनेता बनी बबीता फोगाट अब आमने-सामने आ गयी हैं। साक्षी ने गत दिवस अपने पति सत्यव्रत कादियान के साथ ही सोशल मीडिया में एक वीडियो साझा करते हुए कहा था कि ब्रजभूषण के खिलाफ धरने के लिए उनसे बबीता फोगाट और भाजपा के ही एक नेता तीर्थ राणा ने कहा था और इन दोनो ने ही जंतर-मंतर पर धरने के लिए अनुमति भी दिलायी थी। वहीं अब साक्षी के इस वीडियो को लेकर बबीता ने पलटवार करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, कि साक्षी ने जो भी बातें कहीं हैं व गलत हैं वह धरने की अनुमति का जो कागज दिखा रही थी उस पर कहीं भी मेरे हस्ताक्षर नहीं हैं और न ही ऐसी कोई बात है जिससे कि ये कहा जाये कि यह सब मेरी सहमति से हो रहा था। वास्तविकता तो ये है कि इस धरने से मेरा कोई संबंध नहीं है। बबीता ने अपने ट्वीट में लिखा, बहन हो सकता है आप बादाम के आटे की रोटी खाते हों पर गेहूं की तो मैं ओर मेरे देश की जनता भी खाती ही है, सब समझते हैं। देश की जनता समझ चुकी है कि आप कांग्रेस के हाथ की कठपुतली बन गयी हो। अब समय आ गया है कि आपको आपकी वास्तविक मंशा बता देनी चाहिए क्योंकि अब जनता आपसे सवाल पूछ रही है। इससे बाद साक्षी ने भी जवाब दिया। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, वीडियो में हमने तीरथ और बबीता पर निशाना साधा था कि कैसे वे अपने स्वार्थ के लिए पहलवानों को उपयोग करना चाह रहे थे और कैसे पहलवानों पर जब मुसीबत आई तो अलग हट कर सरकार की गोद में बैठ गए।

ब्रॉड ने एजबेस्टन की पिच को भावहीन और तेज गेंदबाजों के खिलाफ बताया

एजबेस्टन । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने एजबेस्टन की पिच को लेकर नाराजगी जतायी है। उन्होंने कहा कि ये पिच भावहीन है और इसका अंदाजा नहीं आता। ब्रॉड ने कहा कि एजबेस्टन में एशेज के पहले टेस्ट में शुरुआती दो दिन गेंदबाजों के लिए कठिन रहे। पिच ने तेज गेंदबाजों का साथ नहीं दिया पर उन्हें उम्मीद है कि हालात बदलेंगे। उन्होंने कहा, मैं पिच को लेकर विनम्र कैसे हो सकता हूं, यह बहुत धीमी, नीची सतह है जो गेंद से ऊर्जा को झटक लेती है। यह अब तक बहुत चरित्रहीन, काफी सौम्य है पर आप केवल मैच के अंत में न्याय कर सकते हैं और देख सकते हैं कि यह कैसे विकसित होता है। एक अच्छी लेंथ से गलती करना कठिन है लेकिन यह एक दिन में बदल सकता है, यही टेस्ट मैच क्रिकेट की रोमांचक बात है। उन्होंने कहा, हमारे पास अभी दो दिन है, हम कल वापस आएंगे, बादल हो सकते हैं और यह थोड़ा झूल सकता है। यह निश्चित रूप से सबसे धीमी पिचों में से एक है जिस पर मैं इंग्लैंड में गेंदबाजी करना याद रख सकता हूं। तेज गेंदबाजों के लिए यह कड़ी मेहनत रही है और आखिरकार हम मनोरंजन करना चाहते हैं, अपने खेल से भीड़ को उत्साहित बनाये रखना चाहते हैं पर यह कठिन साबित हो रहा है।

गोल के अवसर बनाने के साथ ही डिफेंस बेहतर करना होगा : हरमनप्रीत

नई दिल्ली ।

भारतीय पुरुष टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि हमें मैच के दौरान गोल के अवसर बनाने के साथ ही अपने डिफेंस को भी बेहतर करना होगा। हरमनप्रीत ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2022-23 के यूरोपीय चरण में मिले-जुले परिणामों को देखते हुए ये बातें कहीं हैं। यूरोप दौरे पर भारतीय टीम को बेल्जियम के खिलाफ एक मैच में जीत जबकि और एक में हार का सामना करना पड़ा। वहीं इंग्लैंड दौर में टीम को एक हार और एक जीत मिली। अर्जेंटीना के खिलाफ हरमनप्रीत की टीम ने दोनों मैच जीते, जबकि नीदरलैंड के विरुद्ध उसे दो मैचों में हार झेलनी पड़ी। इंग्लैंड के लंदन और नीदरलैंड के आइंडहोवन में मिले अनुभवों के आधार पर हरमनप्रीत ने कहा कि कुल मिलाकर हमारा दौरा ठीक-ठाक रहा। बड़ी टीमों के खिलाफ खेलना हमेशा से ही विदेशी धरती पर खेलना कठिन होता है। साथ ही कहा कि हम चारों में अपेक्षा के अनुरुप रहे। उन्होंने कहा कि यूरोप के मैचों से हमें कई चीजें सीखने को मिलीं। हमने टचलाइन के पास से कई गोल होने दिए। इसमें सुधार करने की जरूरत है। इसके अलावा हमें डी में अपने बनाए हुए अवसरों का भी बेहतर तरीके से इस्तेमाल करना होगा। शीर्ष यूरोपीय टीमों के खिलाफ खेलते हुए हमेशा अच्छा अनुभव लिया जा सकता है। हम अब एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी और एशियाई खेलों में शीर्ष एशियाई टीमों के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बाहर लाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। भारतीय टीम ने नवनियुक्त कोच क्रेग फुल्टन के मार्गदर्शन में पहली बार खेलते हुए अपने प्रो लीग अभियान का समापन 16 मैचों में 30 अंकों के साथ समाप्त किया।

स्पेन में ब्राजील और गुयाना के बीच हुए फुटबॉल मैच में खेलते हुए खिलाड़ी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आखिर क्यों रथयात्रा से पहले 15 दिन तक एकांतवास में रहते हैं भगवान जगन्नाथ?

जगन्नाथ रथयात्रा के पहले प्रभु जगन्नाथ को 108 कलशों से शाही स्नान कराया जाता है। फिर 15 दिन तक प्रभु जी को एक विशेष कक्ष में रखा जाता है। जिसे ओसर घर कहते हैं। आखिर उन्होंने क्यों एकांत में 15 दिन के लिए रखा जाता है और उसके बाद ही रथयात्रा प्रारंभ होती है? जानते हैं इस रहस्य को।

कथा के अनुसार प्रभु जगन्नाथ के कई भक्तों में से एक थे माधवदास। बचपन में ही उनके माता पिता शांत हो गए थे तो बड़े भाई के आग्रह पर उन्होंने विवाह कर लिया और अंत में भाई भी उन्हें छोड़कर संन्यासी बन गए तो उन्हें बहुत बुरा लगा। फिर एक दिन पत्नी का अचानक देहांत हो गया तो वे फिर से अकेले रह गए। पत्नी के ही कहने पर वे बाद में जगन्नाथ पुरी में जाकर प्रभु की भक्ति करने लगे।

माधवदास के संबंध में बहुत सारी कहानियां प्रचलित है उन्हीं में से एक कहानी है प्रभु जगन्नाथ के 15 दिन तक बीमार पड़ने की कहानी। प्रभु जगन्नाथ रथयात्रा के 15 दिन पहले बीमार पड़ जाते हैं और 15 दिन तक बीमार रहते हैं।

माधवदासजी जगन्नाथ पुरी में अकेले ही रहते थे। वे अकेले ही बैठे बैठे भजन किया करते थे और अपना सारा काम खुद ही करते थे। प्रभु जगन्नाथ ने उन्हें कई बार दर्शन दिए थे। वे नित्य प्रतिदिन श्री जगन्नाथ प्रभु का दर्शन करते थे और उन्हीं को अपना मित्र मानते थे।

एक बार माधवदास जी को अतिसार (उलटी-दस्त) का रोग हो गया। वह इतने दुर्बल हो गए कि चलना-फिरना भी मुश्किल हो गया। फिर भी अपना सारा काम खुद किया करते थे।

उनके परिचितों ने कहा कि महाराज हम आपकी सेवा करें तो माधवदासजी ने कहा कि नहीं, मेरा ध्यान रखने वाले तो प्रभु श्रीजगन्नाथजी है। वे कर लेंगे मेरी देखभाल, वही मेरी रक्षा करेंगे।

फिर धीरे धीरे उनकी तबीयत और बिगड़ गई और वे उठने-बैठने में भी असमर्थ हो गए तब भगवान श्रीजगन्नाथ जी स्वयं सेवक बनकर इनके घर पहुंचे और माधवदासजी से कहा कि हम आपकी सेवा करें। उस वक्त माधवदासजी की बेसुध से ही थे। उनका इतना रोग बढ़ गया था की उन्हें पता भी नहीं चलता था कि कब मल-मूत्र त्याग देते थे और वस्त्र गंदे हो जाते थे।

भगवान जगन्नाथ ने उनकी 15 दिन तक खूब सेवा की। उनके गंदे कपड़ों को भी धोया और उन्हें नहलाया भी। जब माधवदास जी को होश आया, तब उन्होंने तुरंत पहचान लिया कि यह तो मेरे प्रभु ही हैं। यह देखकर माधवदासजी ने पूछा, प्रभु आप तो त्रिलोक के स्वामी हैं, आप मेरी सेवा कर रहे हैं। आप चाहते तो मेरा रोग क्षण में ही दूर कर सकते थे। परंतु आपने ऐसा न करके मेरी सेवा क्यों की?

प्रभु श्री जगन्नाथ जी ने कहा- देखो माधव! मुझसे भक्तों का कष्ट नहीं सहा जाता। इसी कारण तुम्हारी सेवा मैंने स्वयं की है। दूसरी बात यह कि जिसका जैसा प्रारब्ध होता है उसे तो वह भोगना ही पड़ता है। मैं नहीं चाहता था कि तुम्हें प्रारब्ध का भोगना न पड़े और फिर से जन्म लेना पड़े। अगर उसको भोगेगे-काटोगे नहीं तो इस जन्म में नहीं तो उसको भोगने के लिए फिर तुम्हें अगला जन्म लेना पड़ेगा। इसीलिए मैंने तुम्हारी सेवा की। परंतु तुम फिर भी कह रहे हो तो अभी तुम्हारे हिस्से के 15 दिन का प्रारब्ध का रोग और बचा है तो अब 15 दिन का रोग मैं ले लेता हूं और अब तुम मुक्त हो। इसके बाद प्रभु जगन्नाथ खुद 15 दिन के लिए बीमार पड़ गए।

इस घटना की स्मृति में तभी से रथयात्रा के पूर्व प्रभु जगन्नाथ बीमार पड़ जाते हैं। तब 15 दिन तक प्रभु जी को एक विशेष कक्ष में रखा जाता है। जिसे ओसर घर कहते हैं। इस 15 दिनों की अवधि में महाप्रभु को मंदिर के प्रमुख सेवकों और वैद्यों के अलावा कोई और नहीं देख सकता। इस दौरान मंदिर में महाप्रभु के प्रतिनिधि अलारनाथ जी की प्रतिमा स्थपित की जाती हैं तथा उनकी पूजा अर्चना की जाती है। 15 दिन बाद भगवान स्वस्थ होकर कक्ष से बाहर निकलते हैं और भक्तों को दर्शन देते हैं। जिसे नव यौवन नैत्र उत्सव भी कहते हैं। इसके बाद द्वितीया के दिन महाप्रभु श्री कृष्ण और बडे भाई बलराम जी तथा बहन सुभद्रा जी के साथ बाहर राजमार्ग पर आते हैं और रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण पर निकलते हैं।

...तो इसलिए बांधा जाता है कलावा

हिंदू धर्म में किसी भी पूजा-पाठ या फिर यज्ञ, हवन आदि से समय पंडित (पुरोहित) यजमान की दायीं कलाई में कलावा बांधते हैं। कलावा को मौली और रक्षासूत्र के नाम से भी जाना जाता है। लेकिन क्या कभी आपने ये सोचा है कि इसके पीछे क्या कारण है। अगर आपको लगता है कि इसके पीछे सिर्फ धार्मिक कारण है तो ऐसा नहीं है। जी हां, धार्मिक ही नहीं बल्कि वैज्ञानिक कारणों से भी मौली बांधी जाती है।

देवी लक्ष्मी ने की कलावा बांधने की शुरुआत

शास्त्रों में ये कहा गया है कि कलावा या मौली बांधने का प्रारंभ माता लक्ष्मी और राजा बलि ने की थी। माना जाता है हाथ पर मौली बांझने से जीवन में आने वाले संकट से रक्षा होती है। कलावा को हमेशा बांधते समय एक मंत्र को बोला जाता है-

येन बद्धो बलि राजा, दानवेन्द्रो महाबल:, तेन त्वाम प्रतिबद्धनामि रक्षे माचल माचल:।

कलावा धारण करने होती है इनकी कृपा

शास्त्रों में कहा गया है कि कलावा बांधने से त्रिदेव यानी ब्रह्मा, विष्णु और महेश का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही लक्ष्मी, सरस्वती और पार्वती तीनों देवियों की अनुकूलता का भी फायदा मिलता है। जानें कलावा धारण करने को लेकर क्या कहता है विज्ञान विज्ञान के मुताबिक, शरीर के ज्यादातर अंगों तक जाने वाली नसें कलाई से होकर गुजरती हैं। वहीं जब कलाई पर मौली या कलावा बांधा जाता है तो इससे नसों की क्रिया नियंत्रित रहती हैं। इससे वात, पित्त और कफ की समानता बनी रहती है। माना ये भी जाता है कि कलावा बांधने से हृदय संबंधी रोग, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और पैरालिसिस जैसे रोगों से काफी सुरक्षा होती है।

इन स्थानों पर मौली बांधने से मिलता है लाभ

मौली को शादी शुदा महिलाओं के बाएं हाथ और पुरुषों एवं अविवाहित कन्याओं के दाएं हाथ में बांधने का विधान है। चाबी के छल्ले, बही-खाता और तिजोरी जैसी जगहों पर पवित्र मौली बांधने से फायदा होता है, ऐसी मान्यताएं कहती हैं।

आर्थिक समस्याओं में कलावा

मान्यता है कि कलावे में देवी या देवता अदृश्य रूप में विराजमान रहते हैं। इसका निर्माण कच्चे सूत से तैयार होता है और यह कई रंगों जैसे पीला, सफेद, लाल या फिर नारंगी रंग से मिलकर बनता है। ऐसा माना जाता है कलाई पर इसे बांधने से आर्थिक समस्या भी दूर होती है।

वैजयंती की माला से करें विष्णु की उपासना

वैजयंती के वृक्ष पर बहुत ही सुंदर फूल उगते हैं। इसके फूल बहुत ही सुगंधित और सुंदर होते हैं। इसके बीजों की माला बनाई जाती है। वैजयंती के फूल भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी को बहुत ही प्रिय है। आओ जानते हैं इसके 6 लाभ।

- वैजयंती फूलों का बहुत ही सौभाग्यशाली वृक्ष होता है। इसकी माला पहनने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। इस माला को किसी भी सोमवार अथवा शुक्रवार को गंगाजल या शुद्ध ताजे जल से धोकर धारण करना चाहिए।
- वैजयंती के बीजों की माला से भगवान विष्णु या सूर्यदेव की उपासना करने से ग्रह नक्षत्रों का प्रभाव खत्म हो जाता है। खासकर शनि का दोष समाप्त हो जाता है। इस माला को धारण करने से देवी लक्ष्मी भी प्रसन्न होती है।
- इसको धारण करने या प्रतिदिन इस माला से अपने ईष्ट का जप करने से नई शक्ति का संचार तथा आत्म-विश्वास में वृद्धि होती है।
- इस माला को धारण करने से मान सम्मान में वृद्धि होती है। मानसिक शांति प्राप्त होती है जिससे व्यक्ति अपने कार्य क्षेत्र में मन लगाकर कार्य करता है।
- मान्यता है कि पुष्य नक्षत्र में वैजयंती के बीजों की माला धारण करना बहुत ही शुभ फलदायक है। यह सभी तरह की मनोकामना पूर्ण करता है।
- वैजयंती माला से 'ऊं नमः भगवते वासुदेवाय' का मन्त्र नित्य जापने से विवाह में आ रही हर प्रकार की बाधा दूर हो जाती है। जप के बाद केले के पेड़ की पूजा करना चाहिए।

वैजयंती माला का महत्व : एक कथा के अनुसार इन्द्र ने अंहकारवश वैजयंतीमाला का अपमान किया था, परिणामस्वरूप महालक्ष्मी उनसे रुष्ट हो गईं और उन्हें दर-दर भटकना पड़ा था। देवराज इन्द्र अपने हाथी ऐरावत पर भ्रमण कर रहे थे। मार्ग में उनकी भेंट महर्षि दुर्वासा से हुई। उन्होंने इन्द्र को अपने गले से पुष्पमाला उतारकर भेंटस्वरूप दे दी। इन्द्र ने अभिमानवश उस पुष्पमाला को ऐरावत के गले में डाल दिया और ऐरावत ने उसे गले से उतारकर अपने पैरों तले रौंद डाला। अपने द्वारा दी हुई भेंट का अपमान देखकर महर्षि दुर्वासा को बहुत क्रोध आया। उन्होंने इन्द्र को लक्ष्मीहीन होने का श्राप दे दिया।

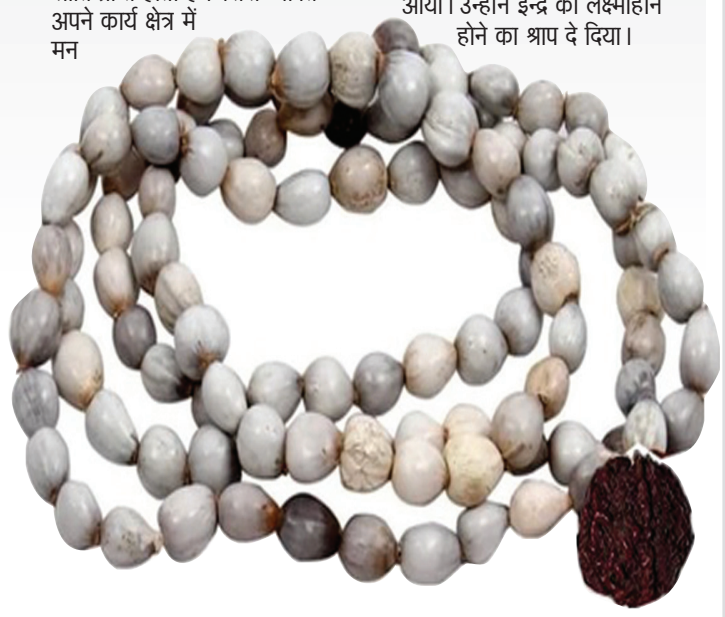

सियार, हंस, कौआ और हाथी सहित भगवान शनि के 9 वाहन बनाते हैं आपका भाग्य

हिन्दू धर्म में शनि एक देवता और नवग्रहों में एक प्रमुख ग्रह माने गए हैं। वे सूर्यदेव और छाया (संवर्णा) के पुत्र हैं। शनिदेव को न्याय का देवता माना जाता है। इस संबंध में मान्यता यह भी हैं कि शनि के प्रकोप से धनवान भी दरिद्र बन जाता है। कई लोग इन्हें कठोर मानते हैं, परंतु ऐसा सही नहीं है क्योंकि शनिदेव का न्याय निष्पक्ष होता है।

ज्योतिष शास्त्र में भी शनिदेव को बहुत अधिक महत्व प्राप्त हुआ है। शनिदेव के 9 वाहन माने जाते हैं और वे अलग-अलग वाहनों पर सवारी करते हुए उनके स्वरूप के अनुसार अलग-अलग प्रभाव भी देते हैं। अत- ऐसे समय में कुंडली में शनिदेव की स्थिति को देखते हुए उनके प्रकोप से बचने के लिए उनके अलग-अलग स्वरूपों की आराधना करनी चाहिए।

- **सियार**- यदि शनिदेव का वाहन सियार हो तो अशुभ सूचनाएं मिलने की संभावनाएं ज्यादा बढ़ जाती है, अत- ऐसी स्थिति निर्मित हो तो हिम्मत से काम लेना चाहिए। इस दौरान शुभ फल नहीं मिलता है।
- **हंस**- यदि भगवान शनि का वाहन हंस है तो यह ही बहुत शुभ होता है, क्योंकि इसे शनिदेव के सभी वाहनों में सबसे अच्छा वाहन कहा गया है। इस अवधि में आप अपनी बुद्धि औए मेहनत के बल पर अपने भाग्य का पूरा सहयोग ले सकते हैं तथा इस दौरान आर्थिक स्थिति में काफी सुधार भी देखने को मिलता है।
- **कौआ**- शनिदेव का वाहन कौआ यदि हैं तो हमें यह समय शांति और संयम से निकालना चाहिए, क्योंकि यदि शनि की सवारी कौआ हैं तो इस अवधि में घर-परिवार में कलह बढ़ने, ऑफिस में टकराव की स्थिति निर्मित होती है या यह किसी मुद्दे को लेकर कलह का संकेत भी माना जाता है, अत- इस समय किसी भी मसले को आसान बातचीत के जरिये हल करना अच्छा रहता है।
- **हाथी**- शनि का वाहन यदि हाथी हो तो इसे शुभ नहीं कहा जा सकता है, क्योंकि यह आशा के विपरीत फल मिलने का समय होता है, अत- इस स्थिति में साहस और हिम्मत से काम लेना ही उचित रहता है।
- **मोर**- यदि शनिदेव का वाहन मोर हैं, यह शुभ फल देने वाला होता है। इस समय में मेहनत और भाग्य दोनों का अच्छा साथ मिलता है। इतना ही नहीं इस समयावधि के दौरान बड़ी-बड़ी परेशानी का हल समझदारी से पाया जा सकता है।
- **गधा**- जब शनिदेव का वाहन गधा होता है तो इसे शुभ नहीं माना जाता है और यह शुभ फलों में कमी देता है, अत- इस दौरान अधिक प्रयास के द्वारा ही कार्यों में सफलता प्राप्त की जा सकती है।
- **घोड़ा**- यदि शनिदेव का वाहन घोड़ा हैं, तो हमें शुभ फल मिलते हैं, क्योंकि घोड़ा शक्ति का प्रतीक माना जाता है। और इस समय व्यक्ति उर्जा और जोश से भरा होने के कारण इस दौरान समझदारी और संयम से हम शत्रुओं पर सरलता से विजय पा सकते हैं तथा कार्यक्षेत्र में सफलता मिल सकती हैं।
- **सिंह**- शनिदेव का वाहन सिंह हैं तो घोड़े की तरह ही सिंह भी शुभ फल देने वाला माना जाता है। अगर शत्रु परेशान कर रहा है तो इस समय में समझदारी और चतुराई के द्वार हम उसे परास्त कर सकते हैं।
- **भैंसा**- यदि भैंसा शनिदेव का वाहन हो तो इस समयावधि में मिलाजुला फल मिलता है। कहने का मतलब यह हैं कि इस दौरान समझदारी, होशियारी से किया गया कार्य ज्यादा बेहतर साबित होता है। यदि सावधानी हटी तो दुर्घटना घटी यानी सावधानी से काम नहीं किया तो बुरे फल मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

आतंकियों ने स्कूल में किया हमला, 38 छात्रों सहित 41 को उतारा मौत के घाट

कंपाला ।पश्चिम युगांडा में इस्लामिक आतंकियों ने एक स्कूल में हमला कर 41 लोगों को मौत के घाट उतार दिया है।जानकारी के अनुसार कांगो सीमा के पास स्थित मपोंडवे में एक स्कूल पर बड़ा आतंकी हमला हुआ।यहां इस्लामिक स्टेट से जुड़े आतंकियों के हमले में कम से कम 41 लोगों की मौत हो गई।सेना और पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि इस हमले में मारे गए 41 लोगों में से 38 स्कूली छात्र थे और इनमें से कई की मौत जलने से हुई है।पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, अशांत पूर्वी कांगो में स्थित अपने ठिकानों से कई वर्षों से हमला कर रहे एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेस'(एडीएफ) के विद्रोहियों ने सीमावर्ती कस्बे मपोंडवे के लुबिरिहा सेकेंडरी स्कूल पर शुक्रवार को हमला कर दिया।विद्रोहियों के इस हमले में मारे गए लोगों में 38 छात्र, एक गार्ड और दो स्थानीय लोग शामिल हैं।यहां मौजूद जांचकर्ताओं ने कहा कि डीआर कांगो के संघर्षग्रस्त पूर्वी हिस्से में तैनात सहसे घातक समूहों में से एक एडीएफ द्वारा देर रात किए इस क्रूर हमले में डॉर्मिटरी को आग लगा दी गई थी और कई छात्रों को चाकुओं से काट दिया गया था।उधर युगांडा पीपुल्स डिफेंस फोर्सेज के प्रवक्ता फेलिक्स कुलायेगी ने जारी एक बयान में कहा कि दुर्भाग्य से वहां 37 लोगों के शव बरामद किए गए, जिन्हें बवेरा अस्पताल के मुर्दाघर में पहुंचा दिया गया है।' इस हमले में 8 लोग घायल हुए हैं, जबकि छह अन्य का अपहरण करके हमलावरों द्वारा विरुंगा नेशनल पार्क की ओर ले जाया गया, जो डीआर कांगो सीमा से घिरा हुआ है।उन्होंने कहा कि अपहृत छात्रों को छुड़ाने के लिए यूपीडीएफ ने अपराधियों का पीछा करना शुरू कर दिया है।वर्ष 2010 में कंपाला में हुए दोहरे बम धमाका के बाद युगांडा में हुआ यह सबसे घातक हमला है।उस हमले में 74 लोगों की मौत, जबकि 85 अन्य घायल हुए थे।

चक्रवाती तूफान ने ब्राजील में मचाई तबाही, 11 लोगों की मौत 20 लापता

ब्राजीलिया ।एक उष्णकटिबंधीय चक्रवाती तूफान ने ब्राजील में भारी तबाही मचा दी है।ब्राजील के दक्षिणी राज्य रियो ग्रांडे डो सुल में आए अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय चक्रवात के कारण कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि अभी बीस लोग लापता हैं।जानकारी के अनुसार रियो ग्रांडे डो सुल की सरकार ने एक बयान में कहा है कि तूफान के कारण मूसलाधार बारिश हुई है।20 अन्य लापता लोगों को खोजने के लिए बाढ़ वाले इलाकों में हेलीकॉप्टर खोज चल रही है।ब्राजील में चक्रवात की बजह से भारी बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है।यहां पर कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं।जिन इलाकों में बाढ़ आई हुई हैं वहां पर हावाई सर्वेक्षण किया ज रहा है।साथ ही लापता लोगों की तलाश भी की जा रही है।लगभग 8,000 से अधिक लोगों की आबादी वाला कारा शहर चक्रवात से सबसे बुरी तरह प्रभावित हुआ है।रियो ग्रांडे डो सुल के गवर्नर एडूराडो लीटे ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया।उन्होंने कहा कि कारा में स्थिति हमें बहुत चिंतित करती है।रियो ग्रांडे डो सुल में कई सड़कें अभी भी अवरुद्ध थीं, राज्य के मुख्य शहरों के लिए उड़ानें पूरे रद्द कर दी गईं और राज्य भर में बिजली बंद कर दी गई।उन्होंने आगे कहा कि यह आवश्यक है कि हम एक संगठित तरीके से, मुख्य प्रभावित क्षेत्रों का शीघ्रता से मानचित्रण कर सकें और उन लोगों की पहचान कर सकें।जिन्हें सहायता की आवश्यकता है, उन्हें तत्काल सहायता मिलनी चाहिए।लीटे के अनुसार अधिकारी सड़कों और पुलों का निरीक्षण कर रहे हैं ताकि यह देखा जा सके कि सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में कोई पहुंच बहाल की जा सकती है या नहीं।यहां शुक्रवार की रात तक, पूर्वी तट पर एक नगरपालिका माक्किन में लगभग एक फुट बारिश हुई थी।प्रभावित क्षेत्रों के कई निवासियों ने अपने कस्बों में खाली मैदान में शरण ली है।अधिकारियों ने कई क्षेत्रों में भूस्खलन के जोखिम के लिए चेतावनी जारी की है।अधिकारियों ने पिछले दो दिनों में 2,400 लोगों को रेस्क्यू किया है।इस समय मुख्य उद्देश्य मानव जीवन की रक्षा करना और उसे बचाना है।फंसे हुए लोगों को बचा रहे हैं, लापता लोगों का पता लगा रहे हैं और परिवारों को हर संभव सहायता दे रहे हैं, ताकि आपदा में संयम बना रहे।

गॉड सेव द क्वीन, मैन! के भाषण पर ट्रोल हो रहे जो बाइडेन

-एक यूजर ने कहा- 2024 के बाद बाइडेन को रियलिटी टीवी पर जाना चाहिए

वाशिंगटन ।अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन निश्चित रूप से सुर्खियों रहते हैं। राजनेता ने कनेक्टिकट में राष्ट्रीय सुरक्षित समुदाय शिखर सम्मेलन में भाषण देते हुए लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा।उन्होंने अपना भाषण गॉड सेव द क्वीन, मैन के साथ समाप्त किया।उसी का एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो गया है और सोशल मीडिया यूजर्स ने जाहिर तौर पर उसे ट्रोल किया जा रहा है। मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार जो बाइडेन हार्टफोर्ड विश्वविद्यालय में गन वायरेंस पर बात कर रहे थे।उन्होंने 30 मिनट तक बात की।अब वायरल हुए वीडियो में उन्हें अपना भाषण ठीक है, भगवान रानी को बचाए, यार के साथ समाप्त करते हुए सुना जा सकता है।इतना ही नहीं, इस क्लिप के वायरल होने के बाद ट्विटर पर गाड सेव द क्वीन भी ट्रेंड करने लगा।इस क्लिप को ट्विटर पर शेयर किया गया है।इस वीडियो ने ट्विटर पर सबका ध्यान खींचा और लोगों ने इस चूक के लिए राष्ट्रपति को तुरंत ट्रोल किया जाने लगा।एक यूजर ने लिखा कि यह अब सिर्फ एक कॉमेडी शो है।उन्हें 2024 में ऑफिस छोड़ने के बाद रियलिटी टीवी पर जाना चाहिए।एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, भाई भूल गए कि ये किस देश के राष्ट्रपति हैं।

पीएम मोदी के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में दुनिया के 180 देशों के लोगों के शामिल होने की संभावना

न्यूयॉर्क ।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के उत्तरी उद्यान में सुबह आठ से नौ बजे के बीच नौवें वार्षिक अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह का नेतृत्व करेंगे।मोदी के नेतृत्व में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में दुनिया के 180 देशों के लोगों के शामिल होने की संभावना है।सूत्रों ने शनिवार को बताया कि उत्सव में राजनयिकों, कलाकारों, शिक्षाविदों और उद्यमियों सहित समाज के विभिन्न वर्गों के हिस्सा लेने की संभावना है।संयुक्त राष्ट्र ने प्रधानमंत्री मोदी के पहले कार्यकाल के पहले वर्ष 2014 में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया था।यह विश्व में मोदी नीत सरकार की सफलता और दुनिया में भारत की साख को बढ़ाने में मददगार रहा।

सियोल में के पोप बॉय बैंड बीटीएस के प्रशंसक बीटीएस सदस्यों के रेडियो शॉ के दौरान उत्साहित नजर आये।

जर्मनी की बायोचार इंडस्ट्री अपने शुरुआती दौर में

- इसमें विदयमान है अपार संभावनाएं

हैम्बर्ग । जर्मनी के हैम्बर्ग की बायोचार इंडस्ट्री अभी अपने शुरुआती दौर में है, लेकिन इसमें अपार संभावनाएं हैं।विशेषज्ञों के मुताबिक, यह तकनीक धरती के वातावरण से कार्बन हटाने का अलग ही तरीका उपलब्ध कराती है।काले रंग का पाउडर बायोचार बनाने की खास विधि है।इस फैक्ट्री में कोको के बीज को खास विधि से जलाकर काला पाउडर बनाया जा रहा है। दावा है कि बायोचार नाम का ये खास काला पाउडर जलवायु परिवर्तन का सामना कर सकता है।इसके लिए एक ऑक्सीजन मुक्त कमरे में कोको के छिलके को करीब 600 डिग्री सेल्सियस तक गर्म किया जाता है।यह प्रक्रिया ग्रीनहाउस गैसों को कैद कर लेती है।आखिर में जो चीज बनकर निकलती है, उसे खाद की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है।इस चीज का इस्तेमाल ग्रीन कंक्रीट बनाने में सामग्री के तौर पर किया जा सकता है.पूरी दुनिया में करीब 4,000 करोड़ टन सालाना कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन होता है।संयुक्त राष्ट्र के इंटर-गवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज का कहना है कि बायोचार इसमें से करीब 260 करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड को इकट्ठा करने में मदद कर सकता है।हालांकि, इसका पूरी दुनिया में इस्तेमाल बढ़ाना ही बड़ी चुनौती है।जर्मनी में बायोचार बनाने का काम सर्कुलर कार्बन नाम की कंपनी कर रही है। सर्कुलर कार्बन का दावा है कि बायोचार मिट्टी की गुणवत्ता बेहतर कर सकता है।ये काला पाउडर मिट्टी का कुदरती माइक्रो-बायोलॉजिकल संतुलन भी लौटा सकता है। कंपनी के सीईओ पाइक स्टेनलुंड के अनुसार हम कार्बन चक्र को उलट रहे हैं। सर्कुलर कार्बन की हैम्बर्ग की बायोचार फैक्ट्री यूरोप में अपनी तरह के सबसे बड़े संयंत्रों में है।यह संयंत्र पड़ोस की एक चॉकलेट फैक्ट्री से इस्तेमाल हो चुके कोको के खोल लेती है.चॉकलेट फैक्ट्री से सर्कुलर कार्बन के संयंत्र तक पाइपों का एक नेटवर्क बनाया गया है।बायोचार छिलके में मौजूद कार्बन डाइऑक्साइड को कैद कर लेता है।

अर्टेमिस संधि पर हस्ताक्षर करना भारत की जरूरत : नासा

वॉशिंगटन। (एजेंसी)। अंतरिक्ष में स्वतंत्र पहुंच रखने वाले कुछ देशों में शामिल और एक वैश्विक शक्ति माने जाने वाले भारत को 'अर्टेमिस'टीम का हिस्सा होने की जरूरत है। यह बात नासा की एक शीर्ष अधिकारी ने कही है। यह टीम असैन्य अंतरिक्ष अन्वेषण पर समान विचार वाले देशों को एक मंच पर लाता है। अर्टेमिस संधि, 2025 तक फिर से मानव को चंद्रमा पर भेजने की अमेरिका नीत कोशिश है, जिसका लक्ष्य मंगल तक और उससे आगे अंतरिक्ष अन्वेषण का विस्तार करना है। उल्लेखनीय है कि 1967 की 'बाह्य अंतरिक्ष संधि'असैन्य अंतरिक्ष अन्वेषण को दिशानिर्देशित करने के लिए तैयार गैर-बाध्यकारी सिद्धांतों का एक समूह है और इसका उपयोग 21वीं सदी में किया जा रहा। नासा प्रशासक के कार्यालय में प्रौद्योगिकी, नीति एवं रणनीति के लिए सहायक प्रशासक भव्या लाल ने कहा कि मई 2023 तक अर्टेमिस संधि के 25 हस्ताक्षरकर्ता थे और उम्मीद जताई कि भारत 26वां देश बन जाएगा। उन्होंने कहा ?कि मुझे लगता है कि अर्टेमिस संधि पर हस्ताक्षर करना भारत के लिए प्राथमिकता होनी चाहिए।

सहायक प्रशासक भव्या लाल ने कहा कि भारत और अमेरिका को अर्टेमिस कार्यक्रम में और अधिक चीजें करने की जरूरत है। हमने हाल में एक मानवीय अंतरिक्ष उड़ान कार्यकारी समूह गठित किया है। इस समूह का लक्ष्य इस बारे में रणनीतियां विकसित करना है कि हमें क्या और कैसे करना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगले सप्ताह होने वाली अमेरिका की यात्रा से पहले कहा, निसार(नासा-इसरो सिंथेटिक एर्पेचर रडार) अगले साल की शुरूआत में प्रक्षेपित किया जाना है। मैं इसके पटरी पर होने की उम्मीद करती हूं। भारत और अमेरिका ने हाल में एक मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यकारी समूह गठित किया है।

लाल ने उम्मीद जताई कि भारत उस समुदाय का हिस्सा बनेगा, जो पृथ्वी से टकरा सकने वाले क्षुद्रगहों और धूमकेतु की तलाश करता है। हर जगह भारत सहयोग कर रहा है न केवल अमेरिका के साथ, बल्कि जापान और फ्रांस के साथ भी। उन्होंने कहा ?कि निसार मिशन एक अच्छा उदाहरण है। भारत के पास एक उपकरण है। अमेरिका के पास एक उपकरण है और यह बराबरी का सहयोग है। उन्होंने गगनयान मिशन का जिक्र करते हुए कहा कि अभी यह मात्र एक अंतरिक्ष 'कैप्सूल' है। उन्होंने कहा कि कभी भारत के पास एक अंतरिक्ष स्टेशन होगा। जब मैं यहां आई थी, तब मुझे काफी सांस्कृतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। मैं अंग्रेजी बोलती थी, लेकिन उच्चारण के साथ काफी समस्या थी इसलिए समझने में मुझे थोड़ा वक्त लगा, अब सबकुछ ठीक है।

चीन में फिर से लौट रही महामारी, 40 प्रतिशत से अधिक हुई कोविड पॉजिटिव दर

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में कोरोना महामारी के फिर से लौटने के संकेत मिल रहे है। यहां बीजिंग समेत चीन के कई बड़े शहरों में कोविड पॉजिटिव रेट 40 फीसदी को पार कर चुका है। चीन में कोरोना वायरस की नई लहर के लिए नए एक्सबीबी वेरिएंट्स जिम्मेदार बताया जा रहा है। विशेषज्ञों का दावा है कि चीन की जीरो कोविड पॉलिसी को अचानक खत्म किए जाने के बाद महामारी की रफ्तार काफी तेज हुई है। इससे सबसे ज्यादा खतरा चीन के पड़ोसी देशों को बताया जा रहा है। चीन के वरिष्ठ महामारी विशेषज्ञों ने पहले ही कह दिया है कि आने वाले महीनों में हर हफ्ते 6.5 करोड़ कोरोना केस आ सकते हैं। ऐसे में लोगों के मन में कोविड महामारी को लेकर कई सवाल पैदा हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने जारी किए गए आंकड़ों से पता चलता है कि यह मई के अंत में परीक्षण किए गए लोगों के 40 प्रतिशत से अधिक तक पहुंच गया है।

आंकड़ों के मुता?बिक चीन में अप्रैल 2023 के बाद से देश भर के अस्पतालों में कोविड-19 से पीड़ित लोगों की संख्या में पांच गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। चीन मई से फिर से कोविड की नई लहर की चपेट में आ गया है। इस दौरान कोविड पॉजिटिव रेट 2022 के अंत में महामारी के पीक पर पहुंचने के वक्त के लगभग बराबर है। चीन के ऑफिस और कारखानों में काम करने वाले लोग बड़ी संख्या में अनुपस्थित हो रहे हैं। हालांकि, डॉक्टरों का कहना है कि ज्यादातक बीमारियां हल्की हैं। रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने मई में कोविड-19 से मरने वाले लोगों की संख्या 164 बताई है। इसके अलावा 2777 लोगों में कोरोना का गंभीर संक्रण पाया गया और महीने के दौरान यह संख्या लगातार बढ़ती रही।

मई के चीन सीडीसी कोविड-19 के डेटा ने स्थानीय और सोशल मीडिया में रिपोर्ट की गई दूसरी लहर के वास्तविक सबूत की पुष्टि की है। चीनी सीडीसी ने आखिरी बार अप्रैल के अंत में साप्ताहिक निगरानी रिपोर्ट जारी की थी। चीनी सीडीसी की दूसरी रिपोर्ट एक महीने बाद मई के अंत में जारी की गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी देश में कोरोना के मामलों के बढ़ने से पूरी दुनिया को खतरा है।

ब्रिटेन में भारतीय मूल के अरविंद शशिकुमार की चाकू घोंप कर हत्या

-पुलिस को कैंबरवेल के साउथेम्पटन वे में खून से सनी मिली थी लाश

लंदन (एजेंसी)। लंदन में भारतीय मूल के एक 38 वर्षीय व्यक्ति की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। इससे कुछ दिन पहले ब्रिटेन से मास्टर ऑफ साइंस (एमएससी) की पढ़ाई कर रही हैदराबाद की तेजस्विनी कोंथम (27) की उत्तरी लंदन स्थित उनके घर में चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई थी। ब्रिटेन की मेट्रोपोलिटन पुलिस ने मीडिया को बताया कि 16 जून को घटना की सूचना मिलने पर अधिकारी कैंबरवेल के साउथेम्पटन वे स्थित आवासीय परिसर में पहुंचे, वहां उन्हें अरविंद शशिकुमार नाम का व्यक्ति बदहवास हालत में मिला। उसके शरीर पर चाकू से वार के निशान थे।

16 जून को शुक्रवार देर रात एक बजकर 31 मिनट पर उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि 17 जून (शनिवार) को साउथेम्पटन वे के 25 वर्षीय सलमान सलीम पर हत्या के आरोप तय किए गए। सलीम को उसी दिन क्रॉयडन मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया। उसे 20 जून को ओल्ड बेली में पेश किया जाएगा, तब तक वह हिरासत में रहेगा। मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार शशिकुमार के परिवार को सूचित कर दिया गया है और मेट्रोपोलिटन विशेषज्ञ अपराध कमान के अधिकारी उनकी हर संभव मदद करेंगे। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सामने आया है कि शशिकुमार की मौत सीने में चाकू लगने की वजह से हुई। पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि अधिकारियों के मौके पर पहुंचने पर उन्हें एक व्यक्ति मिला, जिस पर चाकू से हमला किया गया था। चिकित्सकों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कैंबरवेल और पेखम की सांसद हैरियट हर्मन ने इस घटना को भयावह करार दिया और शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

राजनीतिक बंदियों की रिहाई हेतु पुतिन पर दबाव बनाने का आग्रह

कीव (एजेंसी)। राजनीतिक बंदियों की रिहाई करने पुतिन पर दबाव बनाया जाएगा। अफ्रीकी नेताओं के एक समूह से यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने आग्रह किया कि वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर क्रीमिया और अन्य क्षेत्रों में बंदी बनाए गए राजनीतिक कैदियों को रिहा करने का दबाव बनाए। यह मुद्दा अफ्रीकी नेताओं की रूस यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकता है। लगभग 16 महीने पहले शुरू हुए युद्ध को समाप्त करने में रूस और यूक्रेन की मदद करने के लिए शुरू किए गए 'शांति मिशन' के तहत सात अफ्रीकी नेताओं-कोमोरोस, सेनेगल, दक्षिण अफ्रीका और जाम्बिया के राष्ट्रपति, मिस्र के प्रधानमंत्री और कांगो गणराज्य एवं युगांडा के शीर्ष दूतों ने शुक्रवार को कीव का दौरा किया था। अफ्रीकी नेता शनिवार को रूसी शहर सेंट पीटर्सबर्ग की यात्रा करेंगे, जहां वे पुतिन से मिलेंगे। यूक्रेन युद्ध की समाप्ति के लिए शुरू किया गया यह 'शांति मिशन' अफ्रीकी नेताओं की ओर से किया गया अपनी तरह का पहला प्रयास है। इससे पहले, चीन भी इस तरह की शांति पहल कर चुका है।

इसके लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति और अफ्रीकी देशों के नेताओं ने बंद दरवाजे के भीतर बैठक की। इसके बाद, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने जेलेंस्की और चार अफ्रीकी देशों के प्रमुखों के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह संघर्ष अफ्रीका को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहा है। मैं समझता हूं कि यूक्रेन के लोगों को लगता है कि उन्हें हार नहीं माननी चाहिए और लड़ाई जारी रखनी चाहिए। शांति की राह बहुत मुश्किल है। अफ्रीकी नेताओं का यह प्रतिनिधिमंडल युद्ध को लेकर अफ्रीकी देशों के भिन्न रुख का प्रतिनिधित्व करता है। दक्षिण अफ्रीका, सेनेगल और युगांडा ने जहां युद्ध को लेकर मॉस्को की निंदा करने से परहेज किया है। वहीं, मिस्र, जाम्बिया और कोमोरोस ने पिछले साले संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक प्रस्ताव का समर्थन करते हुए मॉस्को के आक्रमण की निंदा करते हुए रूस के खिलाफ मतदान किया था।

अमेरिका व भारत के साथ संबंध गहरा होने से पाक को कोई समस्या नहीं, बशर्ते देश का नुकसान न हो: ख्वाजा आसिफ

-पाक रक्षा मंत्री बोले- पाक कमजोर अर्थव्यवस्था, भारत 1.3 अरब लोगों का बड़ा बाजार

इस्लामाबाद (एजेंसी)। अमेरिका की ओर से भारत के साथ संबंधों को गहरा करने से इस्लामाबाद को कोई समस्या नहीं है, बशर्ते इससे पाकिस्तान को कोई नुकसान न हो। यह बात पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शनिवार को कही। यह जानकारी मीडिया रिपोर्टों में सामने आई है। अमेरिकी में मीडिया से इंटरव्यू में रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि भारत 1.3 अरब से अधिक लोगों का एक बहुत बड़ा बाजार है।

गौरतलब है कि पाकिस्तान की यह टिप्पणी अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के न्योते पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 20 जून की आधिकारिक अमेरिका यात्रा से पहले आई है।

इस यात्रा के दौरान अमेरिका और भारत के बीच स्वास्थ्य, तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा, शिक्षा और रक्षा के इन पांच महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर चर्चा होगी। पाक के रक्षा मंत्री ने भारत की ओर से अमेरिका के साथ संबंधों को मजबूत किए जाने के संबंध में एक सवाल का जवाब देते हुए ये बातें कही। मीडिया में शनिवार को आसिफ इंटरव्यू प्रकाशित हुआ है। आसिफ ने कहा कि मुझे लगता है कि अमेरिका के भारत के साथ साझेदारी बढ़ाने से हमें कोई दिक्कत नहीं है, अगर इससे पाकिस्तान को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है तो।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पड़ोसियों और क्षेत्रीय साझेदारों के अच्छे संबंध चाहता है। उन्होंने कहा कि हमारी चीन के साथ साझा सीमा है, हमारी अफगानिस्तान, ईरान, भारत के साथ साझा सीमा है। अगर संबंध अच्छे नहीं हैं तो हम उनके साथ अपने संबंधों को बेहतर बनाना चाहेंगे। हम शांति से जीना चाहते हैं। अगर शांति नहीं है तो हम कभी भी अपनी अर्थव्यवस्था को बेहतर नहीं बना सकते हैं।

ख्वाजा आसिफ ने कहा कि भारत 1.3 बिलियन से अधिक लोगों का एक बहुत बड़ा बाजार है। दुनिया में हर जगह, अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाएं उन्हें भागीदार बनाना चाहती हैं, लेकिन पाकिस्तान बहुत बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं है। यह एक कमजोर अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को ऐसी स्थिति में नहीं धकेला जाना चाहिए, जहां उन्हें कुछ बहुत कठिन विकल्प चुनने पड़ें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिहार में लू ने तोड़ा पिछले दस साल का रिकॉर्ड, पारा 45 डिग्री पार

गया । बिहार में गर्मी ने पिछले दस सालों का रिकार्ड तोड़ दिया है। शनिवार को यहां शेखपुरा में पारा 45 डिग्री पार कर गया। यहां ऐसा लग रहा था, मानो दिन के समय आग बरस रही हो। सूरज की ऐसी तपिश की लोगों का घरों से बाहर निकलना दूभर है। गर्मी और लू से आम जनजीवन प्रभावित है। खास तौर से राजधानी पटना, गया, शेखपुरा समेत कई जिले ऐसे हैं जहां पारा तेजी से ऊपर जा रहा। हर किसी के मन में बस यही सवाल है कि आखिर गर्मी से कब राहत मिलेगी। वहीं मौसम विभाग के मुताबिक, लू ने बीते 10 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। राज्य में इस बार सबसे ज्यादा समय तक लू का असर दिख रहा। पटना मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, राज्य में शनिवार को मौसम का सबसे गर्म दिन रहा। सूबे के 18 जगहों पर भीषण गर्मी का असर देखने को मिल रहा। कम से कम 11 जिलों में पारा शनिवार को 44 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया। शेखपुरा सबसे गर्म रहा जहां अधिकतम तापमान शनिवार को 45.1 डिग्री दर्ज किया गया। उधर किशनगंज में पारा सबसे कम 32.5 डिग्री दर्ज किया गया। गया, पटना, भोजपुर, बांका, खगड़िया बुरी तरह से तप रहे हैं। यहां पारा 44 डिग्री के पार रहा। पटना मौसम विज्ञान केंद्र के रिकॉर्ड के अनुसार, लू का मौजूदा दौर ?विगत 31 मई को शुरू हुआ था। अगले दो दिनों में भी दक्षिण बिहार के कई इलाकों में भीषण गर्मी जारी रहने की संभावना है। वैज्ञानिक आशीष कुमार सिंह ने बताया कि राज्य में हीटवेव का सबसे लंबा दौर 2012 में आखिरी बार देखने को मिला था। उस समय लू का दौर 19 दिनों तक चला था। इस बार 31 मई से भीषण गर्मी और लू लोगों को परेशान कर रही। अभी तीन दिन ऐसा ही मौसम रहने के आसार है। मौसम विभाग के मुताबिक, 22 जून से राज्य में बारिश के आसार दिख रहे हैं। दक्षिण पश्चिम मॉनसून का असर राज्य के कुछ शहरों में नजर आ सकता है। माना जा रहा कि 19 से 22 जून के बीच मॉनसून के पूर्वी भारत में पहुंचने के आसार हैं।

दरगाह हिंसा मामले में 31 के खिलाफ नामजद केस दर्ज

अहमदाबाद । जूनागढ़ के मजेवाड़ी गेट के पास स्थित दरगाह को लेकर हुई हिंसा के मामले में पुलिस ने 31 लोगों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया है। आईपीसी की धारा 302, 307, दंगा भड़काने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने सहित पुलिस ड्यूटी में बाधा डालने का मामला दर्ज किया है। पुलिस द्वारा 500 से अधिक लोगों की भीड़ के खिलाफ दंगा करने की शिकायत दर्ज की गई है। भीड़ की पिटाई में घायल हुए पीएसआई को शिकायतकर्ता बनाया गया है। मारपीट और तोड़फोड़ में शामिल सभी लोगों पर मजेवाड़ी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। इस मुद्दे पर एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने चुप्पी तोड़ते हुए हमला बोला है। ओवैसी ने ट्वीट करके लिखा है कि हम पर ही जुल्म होगा, हम ही जालिम कहलाएंगे। जूनागढ़ के मामले में दरगाह के बाहर युवकों की पिटाई का वीडियो साझा करके ओवैसी ने हमला बोला है। उन्होंने लिखा कि हम को ही मारा जाएगा और हम पर ही मुकदमे चलाए जाएंगे। भारत में हिन्दुत्व इंतिहा-पसंदी उरुज पर है, शर्पसंद हिंदुत्ववादियों के शर-पसंदी की कुछ चिंगारी पुलिस विभाग तक पहुंच चुकी है। उसका जीता जागता मिसाल आजकी 2 खबर की सुर्खियां हैं। असदुद्दीन ओवैसी ने कई ट्वीट किए हैं। दूसरे ट्वीट में ओवैसी ने लिखा है कि गुजरात के जूनागढ़ में दरगाह को तोड़ने का मुस्लिम युवकों ने विरोध किया तो जनता का रक्षक कहे जाने वाली पुलिस, मुस्लिम युवकों को उसी दरगाह के सामने अपने पट्टे से सबके सामने पीट रही है। तो वहीं दूसरी तरफ जूनागढ़ में भड़की हिंसा पर निगम ने सफाई दी है। निगम के नगर नियोजन अधिकारी ने कहा है कि केवल साक्ष्य के आधार पर नोटिस दिया गया था। कुल 8 धार्मिक स्थलों को नोटिस अवैध अतिक्रमण के संबंध में सहायक साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए जारी किया गया था।

जम्मू-कश्मीर व लद्दाख में 24 घंटे के भीतर 5 बार धरती डोली

-भारत-चीन सीमा पर भी लगातार दो बार धरती कांपी

नई दिल्ली । जम्मू-कश्मीर और लद्दाख क्षेत्र में 24 घंटे के भीतर 5 बार धरती कांपी हैं। इनकी तीव्रता बहुत ज्यादा नहीं थी। सबसे बड़ा भूकंप 4.5 तीव्रता का आया था। भारत-चीन सीमा पर भी लगातार दो बार धरती डोली। शनिवार दोपहर 2.03 बजे जम्मू और कश्मीर में 3.0 की तीव्रता का पहला भूकंप आया था। एक अधिकारी ने बताया कि भूकंप का केंद्र जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रामबन जिले में सतह से 5 किमी नीचे था। दूसरी बार रात करीब 9.44 बजे लद्दाख में धरती कांपी। लेह से 271 किमी उत्तर पूर्व क्षेत्र में आए इस भूकंप की तीव्रता 4.5 थी। 15 मिनट के भीतर ही भारत-चीन सीमा पर भूकंप आया। एक के बाद एक लगातार धरती डोलने से लोग दहशत में रहे। अच्छी बात यह है कि इससे किसी भी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में रात 9.55 बजे 4.4 की तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। उल्लेखनीय है कि पिछले 5 दिनों में डोडा जिले में आया यह सातवां भूकंप था। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने ट्वीट किया कि 17 जून को जम्मू-कश्मीर के डोडा में 18 किमी गहराई में 4.4 तीव्रता का भूकंप आया। रविवार तड़के भी भारत चीन-सीमा के क्षेत्र में 4.1 तीव्रता का फिर भूकंप आया। इसका केंद्र लद्दाख में लेह से 295 किमी उत्तर पूर्व में था। पांचवीं और आखिरी बार भूकंप जम्मू-कश्मीर में कटरा के पास महसूस किया गया। 4.1 तीव्रता का यह भूकंप तड़के 3.50 बजे कटरा से 80 किमी पूर्व 11 किमी गहराई में था। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने ट्वीट किया कि 4.1 तीव्रता का भूकंप 18 जून को 3.50 बजे सुबह कटरा से 80 किमी पूरब में 11 किमी गहराई में आया।

टेढ़ी पटरियों से गुजर गई नीलांचल एक्सप्रेस, लोको पायलट ने रोक दी ट्रेन, बड़ा हादसा टला

-डीआरएम ने दिए जांच के आदेश

लखनऊ । ओडिशा के बालासोर की ट्रेन दुर्घटना की आग भी ठंडी हुई है तब तक उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक बड़ा रेल हादसा टल गया। निगोहां रेलवे स्टेशन के पास नीलांचल एक्सप्रेस टेढ़ी पटरियों से होकर गुजर गई। गनीमत रही की लोको पायलट की सूझबूझ से बड़ा हादसा होने से बच गया। लोको पायलट ने झटके महसूस होते ही ट्रेन रोक दी। इसकी सूचना मिलते ही अधिकारियों में हड़कंप मच गया। डीआरएम ने पूरे मामले में जांच के आदेश दिए हैं। मिल रही जानकारी के अनुसार नीलांचल एक्सप्रेस को जिस पटरी से गुजारा जा रहा था, वह करीब 7 मीटर तक टेढ़ी थी। जब लोको पायलट को झटके महसूस हुए तो उसने ट्रेन रोक दी, जिसके बाद इसकी सूचना रेलवे के अधिकारियों को दी गई। आनन-फानन में मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने जांच की तो पाया कि गर्मी की वजह से पटरियां टेढ़ी हो गई थीं, लेकिन अधिकारी इस जवाब से संतुष्ट नहीं दिखे। डीआरएम ने पूरी घटना के जांच के आदेश दिए हैं। हालांकि, बाद में टेढ़ी हुई पटरियों को मरम्मत करवाकर दुरुस्त किया गया, लेकिन पूरे मामले में कहीं न कहीं बड़ी लापरवाही देखने को मिल रही है। फिलहाल, जांच के बाद ही पता चलेगा कि की स्वत-से पटरियां टेढ़ी हुई थीं।

केदारनाथ मंदिर गर्भ गृह में लगाया गया सोना पीतल में बदल गया

-बीकेटीसी ने इन आरोपों का निराधार बताया

नई दिल्ली । केदारनाथ मंदिर के तीर्थ पुरोहित और चारधाम महापंचायत के उपाध्यक्ष संतोष त्रिवेदी ने केदारनाथ मंदिर के गर्भ गृह में लगाई गई सोने की परतों पर सवाल खड़े किए हैं। तीर्थ पुरोहित का आरोप है कि सोना, पीतल में तब्दील हो गया है और इसकी जांच होनी चाहिए। वहीं, बद्री-केदार मंदिर समिति ने कहा कि सोशल मीडिया में भ्रमित करने वाली जानकारी फैलाई जा रही है। दरअसल, चारधाम महापंचायत के उपाध्यक्ष और केदारनाथ के वरिष्ठ तीर्थ पुरोहित आचार्य त्रिवेदी का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया में खूब वायरल हो रहा है। तीर्थ पुरोहित बता रहे हैं कि केदारनाथ मंदिर के गर्भ गृह में लगाया गया सोना अब पीतल में बदल गया है। उन्होंने मंदिर समिति पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि गर्भ गृह में सोने की परत लगाने के नाम पर सवा अरब रुपये का घोटाला किया गया है। साथ ही कहा कि बीकेटीसी, सरकार और प्रशासन में जो भी इस कार्य के लिए जिम्मेदार है, उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। बीकेटीसी को सोना लगाने से पहले इसकी जांच करनी चाहिये थी। तीर्थ पुरोहित मंदिर के भीतर सोना लगाने का लगातार विरोध कर रहे थे, बावजूद जबरन यह कार्य किया गया। सोने के नाम पर महज पीतल पर पानी चढ़ाया गया।

आगामी बैठकों में विपक्षी दलों की एकजुटता का मसला हल हो जाएगा: सलमान खुर्शीद

- खुर्शीद ने लखनऊ के कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की बैठक को सम्बोधित किया

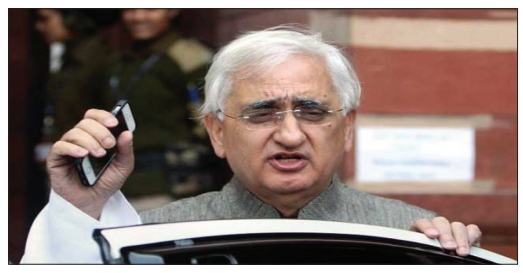

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ (ईएमएस)। एक दिवसीय दौरे पर लखनऊ आए सलमान खुर्शीद ने पत्रकारों से बातचीत में भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के मुकाबले विपक्षी दलों के एकजुट होने के सवाल पर कहा कि आगामी दिनों में सभी विपक्षी दलों की बैठक होनी है उसमें विपक्षी दलों की एकजुटता का मुद्दा हल हो जाएगा। कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय से जारी एक बयान के अनुसार खुर्शीद ने लखनऊ के कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की बैठक को सम्बोधित किया। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी, प्रांतीय अध्यक्ष पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी, नकुल दुबे प्रमुख रूप से मौजूद रहे। खुर्शीद ने समान नागरिक संहिता, जातिगत जनगणना, मणिपुर हिंसा तथा विपक्षी दलों के लोकसभा चुनाव में एकजुटता आदि मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने समान नागरिक संहिता पर सवाल उठाया कि 2018 में जब विधि आयोग का गठन हो चुका था तो अब पुनः इसके गठन की आवश्यकता क्यों है? खुर्शीद ने मणिपुर हिंसा के लिए पूरी तौर से केन्द्र की मोदी सरकार जिम्मेदार ठहराया। बैठक में खुर्शीद ने अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करने के लिए कार्यकर्ताओं के सुझाव मांगे।

उन्होंने कहा ?कि हम उत्तर प्रदेश में लगभग 33 वर्षों से सत्ता से दूर हैं लेकिन अब कुछ बदलाव होना चाहिए। 2009 के लोकसभा चुनाव में हमने सभी राजनीतिक दलों को करारी शिकस्त देते हुए प्रदेश में 22 सीटों पर जीत हासिल की थी। आज फिर हमें उसी ताकत से खड़े होना होगा। यदि हम नहीं खड़े हो पाये तो यह प्रदेश कहां जाएगा इसका अंदाज भी नहीं लगाया जा सकता। खुर्शीद ने बयान में कहा ?कि हमें अपनी आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य के लिए आगे आकर लड़ाई लड़नी होगी। आज देश में नफरत एवं विघटन की राजनीति हो रही है। हिन्दू और मुस्लमान को आपस में लड़ाने की साजिशें रची जा रही हैं, लेकिन जो लोग ऐसा कर रहे हैं वे शायद यह जानते हैं कि हमारा देश गंगा-जमुनी तहजीब का देश है। जहां प्रकृति भी हमें आपस में भाईचारे के साथ रहने का संदेश देती है। उन्होंने दावा किया ?कि अगर हम एक साथ मिलकर काम करेंगे तो अवश्य ही हम फिरकापरस्त ताकतों को हराकर देश, संविधान और लोकतंत्र को बचा सकते हैं तथा कांग्रेस पार्टी को फिर से सत्ता में वापस ला सकते हैं।

सावरकर, हेडगेवार के अध्याय को किताबों से हटाना दुर्भाग्यपूर्ण : गडकरी

नागपुर। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि हिंदुत्व विचारक वी.डी. सावरकर समाज सुधारक और देशभक्त थे तथा यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि स्कूली पाठ्यक्रम से उनके और आरएसएस के संस्थापक के.बी. हेडगेवार के बारे में अध्यायों को हटाया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता गडकरी यहां वीर सावरकर पुस्तक के विमोचन के अवसर पर बोल रहे थे।

केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के लिए सब कुछ न्यौछावर करने वाले एक व्यक्ति सावरकर और उसके परिवार को अपमान सहना पड़ा। नितिन गडकरी ने कहा कि सावरकर ने कहा था कि हिंदुत्व सर्व समावेशी और जातिवाद व साम्प्रदायिकता से मुक्त है। उन्होंने कहा कि सावरकर समाज सुधारक थे और वह हमारे लिए एक आदर्श हैं। गडकरी ने किसी का नाम लिए बगैर कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि डॉ. हेडगेवार और सावरकर को स्कूली पाठ्यक्रम से हटाया जा रहा है और इससे दर्दनाक कुछ भी नहीं है। यहां गौरतलब है कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने हाल ही में स्कूली पाठ्यपुस्तकों से सावरकर और हेडगेवार से संबंधित अध्याय हटा दिए थे। इस पर काफी बवाल भी मचा था।

भाजपा की गुरदासपुर रैली के दौरान अमित शाह एक तीर से साधेंगे 2 निशाने

- 2024 चुनाव के आगाज का बिगुल भी बजा सकती है शाह की गुरदासपुर रैली

पठानकोट (एजेंसी)। एक ओर केन्द्र की मोदी सरकार 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए एनडीए का कुनबा बढ़ाने की कवायद शुरू कर दी है वहीं जीत की हैट्रिक बनाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी व गृहमंत्री अमित शाह भी जुटे हुए हैं। हालांकि 2024 का राजनीतिक परिदृश्य बनने में एक वर्ष से कम समय रह गया है परन्तु राजनीतिक परिस्थितियां माकूल बनाने के लिए कसरत शुरू हो चुकी है। इसी कड़ी में देश के गृहमंत्री की बहुप्रचारित रैली गुरदासपुर में होने जा रही है जो गुरदासपुर-पठानकोट लोकसभा हलके का प्रमुख हिस्सा हैं यहां से इस संसदीय सीट से 6 विधानसभा क्षेत्र आते हैं तथा शेष 3 पठानकोट जिले से आते हैं। यानि इस संसदीय सीट का एक तिहाई मतदाता गुरदासपुर क्षेत्र से संबंधित हैं जिसकी एक ओर सरहदें पड़ोसी सूबे से भी लगती हैं। यानि गृहमंत्री शाह इस रैली से एक तीर से 2 निशाने होंगे। एक ओर वह पार्टी वर्करों में खास रोष बनने यानि पार्टी की शुरूआती चुनावी कपेन को संजीवनी प्रदान करने का भरसक प्रयास करेंगे वहीं पड़ोसी मुल्क को भी एक कूट एवं गूढ़ राजनीतिक संदेश देने का दोहरा निशान साधेंगे। वहीं अमित शाह की गुरदासपुर रैली 2024 चुनाव के आगाज का बिगुल भी बजा सकती है। गुरदासपुर-पठानकोट संसदीय सीट को कभी कांग्रेस की परम्परागत सीट माना जाता रहा है। स्व. सुखबंश कौर भिंडर जो कांग्रेस की दिग्गज नेत्री रही है, ने कई बार इस सीट को जीतकर पार्टी हाईकमान की झोली में डाला है। उनके समय कांग्रेस पार्टी इस सीट पर अपनी संभावित जीत को लोस चुनावों से पहले ही जीती हुई मानकर चलती थी।

पार्टी हाईकमान निश्चिंत होकर चुनावी रण में उतरता था कि स्व. भिंडर के होते यह सीट पर विजय पताका फहरानी निश्चित है परन्तु जब भाजपा हाईकमान ने इस कांग्रेस के अभेद्य किले को भेदने के लिए सिने अभिनेता विनोद खन्ना को चुनाव में उतारा तो हार-जीत के समीकरण एकदम बदल गए तथा खन्ना ने इस सीट पर अप्रत्याशित जीत दर्ज कर राजनीतिक इतिहास रचते हुए भाजपा का परचम यहां फहरा दिया। स्व. खन्ना भी इस सीट पर 3 बार जीतकर संसद में पहुंचे। उन्हें महज एक बार हार मिली। उनके निधन के बाद जब उपचुनाव हुए तो उस समय सूबे में कांग्रेस की सरकार सत्तासीन थे। कांग्रेस ने उपचुनाव जीतने के लिए उस समय के प्रदेश अध्यक्ष एवं पार्टी के दिग्गज नेता सुनील जाखड़ पर दांव लगाया जिन्होंने भी पार्टी हाईकमान को निराश नहीं किया तथा भाजपा का लंबे समय से इस सीट पर दबदबा हटाते हुए फिर से कांग्रेस का झंडा स्थापित कर दिया परन्तु यह स्थिति लंबे समय तक बनी नहीं रह सकी।

भाजपा को हराकर उपचुनाव जीतने के बाद सुनील जाखड़ कांग्रेस की इस परम्परागत सीट से सांसद बने। इसके बाद आम लोकसभा चुनावों का बिगुल बज गया। ऐसे में भाजपा हाईकमान ने फिर से तुरूप का पत्ता फैंकते हुए सभी सियासी क्यासों के पार जाकर चुनाव से ऐन पहले बॉलीवुड से सिने स्टार सन्नी देओल को लाकर कांग्रेस के सामने चुनौती खड़ी कर दी। जिसके चलते सन्नी देओल ने फिर से भारी जीत दर्ज करते हुए यह सीट फिर से भाजपा हाईकमान की झोली में डालकर कांग्रेस पार्टी का दिल तोड़ दिया। लेकिन सन्नी देओल लोस चुनाव के बाद से इस संसदीय क्षेत्र में यदा-कदा ही नजर आए तथा पिछले लंबे समय से इस क्षेत्र में उनकी बनी हुई निष्क्रियता व वर्करों से दूरी कार्यकर्त्ताओं को मायूस कर रही है, जिस बात से पार्टी हाईकमान भी अवगत है।वहीं आगामी चुनाव लड़ने की मंशा पाले व टिकट के दावेदारों का भी उत्साह शाह की रैली को लेकर चरम पर है। ऐसे में कल की रैली में उनकी उपस्थिति भी भविष्य की परतें खोल सकती हैं कि कौन-कौन अपना दमखम किस-किस तरीके से दिखा पाने में सफल रहता है तथा पार्टी हाईकमान आगामी चुनावों के लिए अपने किस जीतने वाले उम्मीदवार पर आगे जाकर दांव लगाती है, यह देखना रूचिकर होगा।

विधायक का खुलासा, उद्धव के खिलाफ छह माह बाद ही शुरू हो गई थी बगावत

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के एक विधायक ने दावा किया है कि नवंबर 2019 में उद्धव ठाकरे के महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनने के लगभग छह महीने बाद शिवसेना में विद्रोह का षड्यंत्र शुरू हो गया था और बाद में गुवाहाटी जाने वाले बागी नेता मुख्य साजिशकर्ता थे। अकोला जिले से विधायक नितिन देशमुख ने यह भी कहा कि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का यह दावा झूठा है कि उन्होंने शिंदे को मुख्यमंत्री बनाया। शिंदे के विद्रोह के बाद उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली एमवीए सरकार गिर गई थी। इसके बाद 30 जून, 2022 को शिंदे ने मुख्यमंत्री जबकि फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली थी। देशमुख ने कहा ?कि जून 2022 में विद्रोह से एक महीने पहले, शिंदे ने मुझसे कहा था कि वह मुख्यमंत्री बनेंगे और फडणवीस केवल यह जानते हैं कि सरकार को कैसे गिराना है। उस समय केवल शिंदे और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ही जानते थे कि कौन मुख्यमंत्री बनने जा रहा है। देशमुख और उस्मानाबाद से शिवसेना (यूबीटी) के एक अन्य विधायक कैलाश पाटिल पार्टी के नेता आदेश बांदेकर को दिए एक साक्षात्कार में बोल रहे थे। पार्टी के यूट्यूब चैनल पर यह पॉडकास्ट जारी किया गया है। पॉडकास्ट का पहला भाग शुक्रवार को जारी किया गया था।

गौरतलब है ?कि यह वीडियो 19 जून को शिवसेना के 57वें स्थापना दिवस से पहले आया है। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें शिवसेना में फूट या इस बात का आभास था कि विधायक एक अलग समूह बना लेंगे, इसपर देशमुख ने कहा ?कि यह (विद्रोह) अचानक नहीं हुआ। यह उद्धव ठाकरे के मुख्यमंत्री बनने के छह से सात महीने बाद शुरू हो गया था। देशमुख ने कहा कि उन्होंने अपने निजी सहायक के साथ इस मामले पर चर्चा की थी और उन्हें लगा कि पाला बदलने वाले विधायकों की संख्या 22 से अधिक नहीं होगी।

प्रदेश में 2019 के विधानसभा चुनाव में शिवसेना ने 288 सीटों वाली विधानसभा में 56 सीट पर जीत हासिल की थी। देशमुख ने कहा, इसलिए हमने सोचा कि यह कभी नहीं होगा। उन्होंने दावा किया कि इस मामले पर विधायकों को चर्चा नहीं करने दी गई। हालांकि इस मुद्दे पर वरिष्ठ नेता मिले हुए थे। देशमुख ने कहा ?कि गुलाबराव पाटिल, एकनाथ शिंदे के समर्थक और वर्तमान मंत्री ने बताया था कि हम गुवाहाटी के लिए रवाना हो गए हैं। मुझे लगता है कि जो लोग गुवाहाटी गए थे, वे मुख्य साजिशकर्ता थे।

ठंडा रहेगा दिल्ली-एनसीआर का मौसम, अगले 3 दिनों तक गर्मी से राहत की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम केन्द्र से मिली जानकारी के अनुसार अगले तीन दिनों तक दिल्ली व एनसीआर का मौसम ठंडा रहेगा। बिपरजॉय तूफान के बाद देश की राजधानी दिल्ली में मौसम में बदलाव देखने को मिला है। हालांकि शनिवार को दिल्ली-एनसीआर के कुछ इलाकों में बूंदाबादी हुई। लेकिन इस बूंदाबादी ने लोगों को गर्मी से राहत देने के बजाय उमस को और बढ़ा दिया। शनिवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27.6 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने रविवार को भी गरज के साथ बूंदाबादी का अनुमान जताया है। दिल्ली के कनॉट प्लेस, चाणक्यपुरी, पालम, आईटीओ और मोती बाग सहित दिल्ली के कई हिस्सों में शनिवार शाम को बूंदाबादी देखी गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले तीन दिनों तक हल्की बारिश या गरज के साथ तेज हवा चलने की भविष्यवाणी की है। आईएमडी के वैज्ञानिक कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि 'दक्षिण पश्चिम राजस्थान में चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के अवशेष अगले कुछ दिनों तक इस क्षेत्र में नमी बढ़ाते रहेंगे। इसके कारण अगले कुछ दिनों तक बारिश की उम्मीद है।

आईएमडी के अनुसार अगले कुछ दिनों तक दिल्ली का अधिकतम तापमान 38 से 39 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। दिल्ली-एनसीआर में अगले तीन दिनों तक हल्की बूंदाबादी हो सकती है। साथ ही इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं भी चलने की संभावना है। केंद्रीय प्रदूषण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार शाम 6 बजे दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 121 दर्ज किया गया, जो कि मध्यम श्रेणी में आता है। गौरतलब है कि दिल्ली में आमतौर पर मॉनसून की सामान्य शुरुआत की तारीख 27 जून है। टीओआई ने पहले बताया था कि आईएमडी के पिछले 10 वर्षों के आंकड़ों से पता चलता है कि मॉनसून ज्यादातर चार जून और छह जुलाई में दिल्ली आता है।

बीस साल बाद गोधरा कांण्ड पर आया फैसला, सबूत के अभाव में 35 आरोपी बरी

गांधीनगर (एजेंसी)। गोधरा काण्ड पर बीस साल बात आज अदालत का फैसला आया है। इसमें सबूत का अभाव होने के कारण 35 आरोपियों को बरी कर दिया गया है। गौरतलब है कि 27 फरवरी 2002 को गोधरा ट्रेन अग्निकांड हुआ था। गुजरात के पंचमहल जिले में हालोल शहर की एक अदालत ने 2002 के गोधरा कांड के बाद हुए दंगों के चार अलग-अलग मामलों में सभी 35 आरोपियों को बरी कर दिया है। इन चार मामलों में तीन लोगों की हत्या कर दी गई थी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हर्ष त्रिवेदी की अदालत ने 12 जून को अपना फैसला सुनाया, जो 15 जून को उपलब्ध हुआ। हालां?कि अदालत ने दंगों को सुनियोजित बताने को लेकर 'छद्म धर्मनिरपेक्ष मीडिया और नेताओं' की आलोचना की। गौरतलब है कि डेलोल गांव में कलोल बस पड़ाव और डेरोल रेलवे स्टेशन इलाके में 28 फरवरी, 2002 को हिंसा फैल जाने के बाद 35 लोगों को हत्या एवं दंगा फैलाने का आरोपी बनाया गया था। इसके एक दिन पहले ही गोधरा में साबरमती ट्रेन में आग लगा दी गई थी। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने दावा किया कि घातक हथियारों से तीन लोगों की हत्या कर दी गई और सबूत नष्ट करने के इरादे से उनके शव जला दिए गए, लेकिन अभियोजन पक्ष आरोपियों के विरूद्ध सबूत पेश नहीं कर पाया। इन मामलों में 52 आरोपी थे। सुनवाई लंबित रहने के दौरान उनमें से 17 की मौत हो गई। यह सुनवाई 20 साल से भी अधिक समय तक चली।

अदालत में पेश मामलों के कागजातों के अनुसार राहत शिविर में पुलिस को तीन लापता व्यक्तियों के बारे में बताया गया। ये राहत शिविर इलाके में दंगा होने के बाद स्थापित किए गए थे। यह आरोप लगाया गया था कि कलोल शहर और दो अन्य जगहों पर हिंदुओं एवं मुसलमानों के बीच दंगे भड़क गए। कुछ दिन बाद अल्पसंख्यक समुदाय के तीन लापता सदस्यों के शव पाए गए। दंगा करने, गैरकानूनी रूप से एकजुट होने और हत्या करने के आरोपों के तहत दर्ज मामले का सामना कर रहे सभी 52 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें उन्हें कलोल, हालोल और गोधरा की उपजेल भेज दिया गया। बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। सुनवाई के दौरान कुल 130 गवाहों से जिरह की गई।

इस मामले में अदालत ने कहा कि किसी भी आरोपी के खिलाफ दंगा फैलाने का कोई भी आरोप नहीं टिक पाया तथा अभियोजन पक्ष अपराध में इस्तेमाल किये गये हथियारों को बरामद नहीं कर पाया। न्यायाधीश ने कहा कि 'साम्प्रदायिक दंगों के मामले में पुलिस आमतौर पर दोनों समुदायों के सदस्यों को अभियोजित करती है। लेकिन इस तरह के मामलों में यह अदालत को पता लगाना है कि दोनों में से कौन सही हैं, अदालत ने गोधरा कांड से स्तब्ध और 'व्यथित लोगों के घावों पर नमक छिड़कने' को लेकर 'छद्म धर्मनिरपेक्ष मीडिया और नेताओं की' आलोचना भी की।

21वीं सदी की निर्णायक साझेदारियों में से एक होगा अमेरिका-भारत संबंध

-पीएम मोदी के दौरे से पहले अमेरिकी सांसद ग्रेगरी मीक्स ने वीडियो संदेश जारी कर कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी सांसद ग्रेगरी मीक्स ने भारत-अमेरिका संबंध को 21वीं सदी की निर्णायक साझेदारियों में से एक बताते हुए दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने का श्रेय भारतीय-अमेरिकी समुदाय को दिया है। उन्होंने पीएम मोदी की यात्रा से पहले एक वीडियो संदेश जारी कर अपनी बात कही है। गौरतलब है ?कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और प्रथम महिला जिल बाइडेन के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21-24 जून तक अमेरिका के दौरे पर रहेंगे। इस यात्रा में राजकीय रात्रिभोज के साथ-साथ 22 जून को कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करने का भी उनका कार्यक्रम है। न्यूयॉर्क से अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य मीक्स ने एक वीडियो संदेश में कहा, पिछले 14 साल में अमेरिका-भारत साझेदारी का महत्व केवल बढ़ा है, भारतीय-अमेरिकियों के साथ हमारे संबंध मजबूत हुए हैं, जिनमें से कई न्यूयॉर्क और मेरे संसदीय जिले में रहते हैं। अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास ने यह वीडियो साझा किया है।

मीक्स ने अपने संदेश में कहा ?कि हम अपने सहयोग को बढ़ाने और हमारे दो महान देशों के लोगों के लिए अधिक अवसर पैदा करने के लिए इस जीवंत प्रवासी समुदाय का लाभ उठा सकते हैं। पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा से पहले अमेरिका भर में उत्साही भारतीय-अमेरिकी लोग अपने नेता का स्वागत करने के लिए इंतजार कर रहे हैं, और सोशल मीडिया पर सक्रिय रूप से अपने संदेश और शुभकामनाएं दे रहे हैं। ह्वाइट हाउस में जब राष्ट्रपति और प्रथम महिला पीएम मोदी का स्वागत कर रही होंगी, उस समय 7,000 से अधिक भारतीय-अमेरिकी 21 तोपों की सलामी के साक्षी बनेंगे। देश भर में प्रधानमंत्री का स्वागत करने के लिए बड़े कार्यक्रमों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है।

सांसद मीक्स ने कहा कि अमेरिका-भारत संबंध 21वीं सदी की निर्णायक साझेदारियों में से एक होगा। वह शांति और समृद्धि को आगे बढ़ाने के लिए दोनों देशों को एकजुट होकर काम करते देखना चाहते हैं। अमेरिकी सांसद ने कहा, मैं भारत के लिए, अमेरिका के साथ भारत के संबंधों के लिए कांग्रेस की हमारी संयुक्त बैठक के दौरान प्रधानमंत्री को सुनने के लिए उत्सुक हूं। मैं भारत-प्रशांत क्षेत्र में शांति, समृद्धि, लोकतांत्रिक मूल्यों और स्थिरता को आगे बढ़ाने के लिए हमें मिलकर काम करते देखना चाहता हूं। उन्होंने जय हिंद के साथ अपना संदेश समाप्त किया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

भगवान जगन्नाथ जी की 146वीं रथयात्रा को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने पुलिस-प्रशासन तैयार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

20 जून मंगलवार को अहमदाबाद में भगवान जगन्नाथ जी की 146वीं ऐतिहासिक रथयात्रा निकलेगी, जिसे लेकर पुलिस-प्रशासन सभी तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। शांतिपूर्ण माहौल रथयात्रा संपन्न कराने के लिए पुलिस और प्रशासन ने सभी तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने अहमदाबाद शहर पुलिस द्वारा दो महीने पहले से रथयात्रा की जो तैयारियां शुरू की थीं, उस पर संतोष व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की अध्यक्षता में रथयात्रा को लेकर उच्चस्तरीय बैठक हुई। जिसमें गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी और मुख्यमंत्री के मुख्य अग्र सचिव कैलाशनाथन, मुख्य सचिव राजकुमार और गृह विभाग के अतिरिक्त सचिव मुकेश पुरी, पुलिस महानिदेशक विकास सहाय समेत वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। रथयात्रा की तैयारियों की जानकारी देते हुए हर्ष संघवी ने बताया कि इस वर्ष पहली बार यात्रा रूट, निज मंदिर, स्ट्रेटेजिक पॉइंट इत्यादि पर 3डी मेपिंग के जरिए निगरानी रखी जाएगी। मुख्यमंत्री ने ये ३डी मेपिंग से निगरानी रखने का प्रयोग आगामी यात्राओं में भी करने का पुलिस विभाग को निर्देश दिया। उन्होंने सोशल मीडिया या फोन-व्हाट्सएप द्वारा रथयात्रा से संबंधित किसी प्रकार की अफवाह ना फैलें इसके लिए साइबर क्राइम टीम और क्राइम ब्रांच को सतर्क रहने की ताकीद की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहचान के आधार-प्रमाण के बगैर प्रिपेइड सिमकार्ड बेचने वाले लोगों के खिलाफ सख्ती से कार्यवाही किया जाना जरूरी है। हर्ष संघवी ने बैठक में कहा कि अहमदाबाद में 146वीं रथयात्रा हर्षोल्लास और शांतिपूर्ण माहौल संपन्न हो इसकी सुदृढ़ व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि राज्यभर में अलग अलग स्थलों को मिलाकर 198 जितनी रथयात्रा और अहमदाबाद शहर में मुख्य रथयात्रा के साथ अन्य 6 छोटी रथयात्रा अलग अलग क्षेत्रों से निकलती हैं। इन सभी छोटी-बड़ी रथयात्रा के दौरान सांप्रदायिक सौहार्द बरकरार रहे उस विशेष ध्यान देने का मुख्यमंत्री ने मार्गदर्शन दिया। बैठक में दी गई जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद की रथयात्रा के लिए पेरा मिलेट्री फोर्स समेत 26091 पुलिस अधिकारी और कर्मचारी तैनात रहेंगे। 45 जितने संवेदनशील क्षेत्रों में 94 सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी रखी जाएगी। इसके अलावा 2322 बोडीवार्न कैमरों के साथ जवान रथयात्रा के साथ चलेंगे। 25 वाहनों पर सीसीटीवी और जीपीएस सिस्टम के जरिए पल पल की जानकारी ली जाएगी। रथयात्रा के दौरान अनधिकृत ड्रोन उपयोग के खिलाफ पहली बार एन्टी ड्रोन टेक्नोलोजी का उपयोग किया जाएगा। रथयात्रा शांतिपूर्ण और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हो इसके लिए सर्वधर्म ब्लड डोनेशन कैम्प, क्रिकेट टूर्नामेंट, शांति समिति और मुहल्ला समितियों की बैठक भी पुलिस विभाग की ओर से आयोजित की गईं। उन्होंने कहा कि राज्य में जहां जहां रथयात्रा निकलने वाली हैं वहां सांप्रदायिक सौहार्द और सुरक्षा का वातावरण उपलब्ध कराने गुजरात पुलिस प्रतिबद्ध है।

धर्म परिवर्तन के दबाव से परेशान होकर वृद्ध दंपत्ति ने किया पलायन, जांच में जुटी पुलिस

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

खेडा, जिले के खाखरिया गांव के एक वृद्ध दंपत्ति ने अपने गांव से पलायन कर लिया है। दंपत्ति का आरोप है कि गांव का उप सरपंच उन पर धर्म परिवर्तन के लिए लगातार दबाव डाल रहा था, जिससे परेशान होकर उसने पलायन का फैसला किया। दूसरी ओर उप सरपंच आरोप से इंकार कर दिया। फिलहाल वृद्ध दंपत्ति की शिकायत के आधार पर सेवालिया पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना खेडा जिले की गलतेश्वर तहसील के खाखरिया गांव की है। हिन्दू दंपत्ति कुलाभाई और उनकी पत्नी मंजूलाबेन का आरोप है कि खाखरिया गांव का उप सरपंच हर्षद मकवाणा उन पर लगातार धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डाल रहा था। दंपत्ति के परिजनों ने पहले इसाई धर्म अपना लिया था। लेकिन वृद्ध दंपत्ति हिन्दू धर्म छोड़ने को तैयार नहीं है। इसाई धर्म अपनाने से इंकार करने पर वृद्ध दंपत्ति को अपने गांव से पलायन करने को मजबूर होना पड़ा। वृद्ध दंपत्ति ने बताया कि उसने धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालने के बारे में गांव के मुस्लिम सरंपच से भी शिकायत की थी। लेकिन उन्होंने उप सरपंच की बात मान लेने की नसीहत दी। दूसरी ओर गांव का उप सरपंच हर्षद मकवाणा ने दंपत्ति के आरोपों को निराधार बताया है। फिलहाल दंपत्ति की शिकायत के आधार पर सेवालिया पुलिस ने पूरे मामले की तफ्तीश शुरू की है।

भारी बारिश से बनासकांठा का बुरा हाल, रेल नदी का बढ़ता जलस्तर चिंताजनक

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

बनासकांठा,चक्रवाती तूफान बिपरजॉय गुजरात से भले ही गुजर गया हो, लेकिन उसका असर अब बरकरार है। चक्रवात के असर से उत्तरी गुजरात के बनासकांठा जिले में बारिश ने कहर बरपा रखा है। भारी बारिश के चलते थराद तहसील के ग्रामीण इलाकों में चारों ओर तबाही नजर आ रही है। हालात बिगड़ते देख प्रशासन ने राहत कार्य शुरूकर दिया है।

निचले इलाके को लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। एसडीआरएफ के 25 जवानों को पावडासण और डुवा गांव की सीमा पर राहत कार्य में लगाया गया है।

रेल नदी के बढ़ते जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है। रेल नदी के किनारे के पावडासण और डुवा गांव के खेत बेट में तब्दील हो गए हैं। खेतों में काटी गई बाजरी की फसल पानी में बह चुकी है, जिससे किसानों की पूरी मेहनत बर्बाद हो गई है।

बनासकांठा जिले के धानेरा भी भारी बारिश से पानी पानी हो गया है। डीसा के ग्रामीण क्षेत्रों का भी जनजीवन प्रभावित हुआ है। मुख्य मार्गों के जलमग्न होने से कई गांवों से संपर्क टूट गया है। धानेरा तहसील में तेज हवा के चलते एक व्यक्ति और 20 पशुओं की मौत हो गई है। ऊपरी हिस्से में भारी बारिश की वजह से रेल नदी के पानी ने थराद और धानेरा को अपनी आगोश में ले लिया है।

बीस साल बाद गोधरा कांण्ड पर आया फैसला, सबूत के अभाव में 35 आरोपी बरी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,गोधरा काण्ड पर बीस साल बात आज अदालत का फैसला आया है। इसमें सबूत का अभाव होने के कारण 35 आरोपियों को बरी कर दिया गया है। गौरतलब है कि 27 फरवरी 2002 को गोधरा ट्रेन अग्निकांड हुआ था। गुजरात के पंचमहल जिले में हालोल शहर की एक अदालत ने 2002 के गोधरा कांड के बाद हुए दंगों के चार अलग-अलग मामलों में सभी 35 आरोपियों को बरी कर दिया है। इन चार मामलों में तीन लोगों की हत्या कर दी गई थी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हर्ष त्रिवेदी की अदालत ने १२ जून को अपना फैसला सुनाया, जो 15 जून को उपलब्ध हुआ। हालां ?कि अदालत ने दंगों को सुनियोजित बताने को लेकर 'छद्म धर्मनिरपेक्ष मीडिया और नेताओं' की आलोचना की। गौरतलब है कि डेलोल गांव में कलोल बस पड़ाव और डेरोल रेलवे स्टेशन इलाके में 28 फरवरी, 2002 को हिंसा फैल जाने के बाद 35 लोगों को हत्या एवं दंगा फैलाने का आरोपी बनाया गया था। इसके एक दिन पहले ही गोधरा में साबरमती ट्रेन में आग लगा दी गई थी। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने दावा किया कि घातक हथियारों से तीन लोगों की हत्या कर दी गई और सबूत नष्ट करने के इरादे से उनके शव जला दिए गए, लेकिन अभियोजन पक्ष आरोपियों के विरूद्ध सबूत पेश नहीं कर पाया। इन मामलों में 52 आरोपी थे। सुनवाई लंबित रहने के दौरान उनमें से 17 की मौत हो गई। यह सुनवाई 20 साल से भी अधिक समय तक चली।

अदालत में पेश मामलों के कागजातों के अनुसार राहत शिविर में पुलिस को तीन लापता व्यक्तियों के बारे में बताया गया। ये राहत शिविर इलाके में दंगा होने के बाद स्थापित किए गए थे। यह आरोप लगाया गया था कि कलोल शहर और दो अन्य जगहों पर हिंदुओं एवं मुसलमानों के बीच दंगे भड़क गए। कुछ दिन बाद अल्पसंख्यक समुदाय के तीन लापता सदस्यों के शव पाए गए।

दंगा करने, गैरकानूनी रूप से एकजुट होने और हत्या करने के आरोपों के तहत दर्ज मामले का सामना कर रहे सभी ५२ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें उन्हें कलोल, हालोल और गोधरा की उपजेल भेज दिया गया। बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। सुनवाई के दौरान कुल 130 गवाहों से जिरह की गई। इस मामले में अदालत ने कहा कि किसी भी आरोपी के खिलाफ दंगा फैलाने का कोई भी आरोप नहीं टिक पाया तथा अभियोजन पक्ष अपराध में इस्तेमाल किये गये हथियारों को बरामद नहीं कर पाया। न्यायाधीश ने कहा कि 'साम्प्रदायिक दंगों के मामले में पुलिस आमतौर पर दोनों समुदायों के सदस्यों को अभियोजित करती है। लेकिन इस तरह के मामलों में यह अदालत को पता लगाना है कि दोनों में से कौन सही हैं, अदालत ने गोधरा कांड से स्तब्ध और 'व्यथित लोगों के घावों पर नमक छिड़कने' को लेकर 'छद्म धर्मनिरपेक्ष मीडिया और नेताओं की' आलोचना भी की।

केन्द्र और गुजरात सरकार समेत प्रशासन के संयुक्तप्रयासों से चक्रवात से ज्यादा नुकसान नहीं हुआ : अमित शाह

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के बाद उत्पन्न स्थिति का जायजा लेने केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री आज दिल्ली से सीधे कच्छ पहुंचे। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के साथ अमित शाह ने चक्रवात प्रभावित कच्छ जिले का हवाई निरीक्षण किया। साथ ही शेल्टर होम और अस्पताल में उपचाराधीन लोगों समेत एनडीआरएफ के जवानों से मुलाकात की। बाद में अमित शाह ने पत्रकार परिषद में बताया कि चक्रवाती तूफान के बारे में 6 जून को खबर मिलने के बाद मन में कई आशंका थी, लेकिन आज संतोष के साथ मैं यह कह सकता हूं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल से लेकर तलाटी समेत निर्वाचित प्रतिनिधियों और प्रशासन ने बेहतर काम किया। उन्होंने कहा कि कम से कम नुकसान के लक्ष्य के साथ काम करने से चक्रवात की आपदा से निपटने में हम सफल हुए हैं। अमित शाह ने कहा कि हमारी सबसे पहली प्राथमिकता है विस्थापित लोगों को उनके घर पहुंचाना है। सहायता को लेकर केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि

उसकी एक पेटर्न है और उसेक आधार गुजरात सरकार राहत पैकेज तैयार कर उसकी घोषणा करेगी। फिलहाल बिजली और पानी आपूर्ति की प्रक्रिया युद्धस्तर पर जारी है। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दलों समेत एनजीओ ने समय पर मिली सूचना का उपयोग कर जान-माल को किस प्रकार बचाया जाए, इस दिशा में काम किया है। टीम वर्क का उत्तम उदाहरण गुजरात सरकार ने पेश किया है। अमित शाह ने चक्रवात से एक भी मानव मृत्यु नहीं हुई। चक्रवात में केवल 47 लोग घायल हुए हैं। आगामी 20 जून तक चक्रवात प्रभावित सभी क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बहाल हो जाएगी। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री ने मांडवी के उप जिला अस्पताल का भी दौरा किया। चक्रवात से पूर्व जिला प्रशासन की ओर से एहतियात के तौर पर गर्भवती महिलाओं को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अमित शाह ने उन सभी माताओं के साथ बातचीत कर उनकी कुशलक्षेम पूछी, जिनका चक्रवात के दौरान प्रसव हुआ था। इसके अलावा, उन्होंने सभी गर्भवती महिलाओं तथा नवजात शिशुओं का हालचाल पूछकर उन्हें अस्पताल द्वारा प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं के विषय में जानकारी ली। गृह मंत्री अमित शाह ने मांडवी-नलिया रोड पर स्थित काठड़ा गांव में आर्य फार्म का दौरा किया। उन्होंने वहां स्थानीय किसानों, किसान संघ के नेताओं और ग्रामीणों के साथ संवाद कर उनसे फसल नुकसान की जानकारी हासिल की। किसानों ने केंद्रीय गृह मंत्री को अनार और सूखी खजूर की फसल को हुए नुकसान के बारे में बताया। इस दौरान राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेशभाई पटेल ने भी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चक्रवात के बाद कच्छ की परिस्थिति के विषय में जानकारी दी।

चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के बीच गुजरात के तटीय इलाकों में 700 बच्चों का हुआ जन्म

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

चक्रवाती तूफान बिपरजॉय को लेकर गुजरात में खासकर राज्य के तटीय इलाकों में रेड अलर्ट जारी किया गया था। ऐहतियात के तौर पर तटीय क्षेत्र की 1152 गर्भवती महिलाओं समेत एक लाख जितने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया था। जिसमें चक्रवाती तूफान के दौरान 700 से ज्यादा बच्चों को महिलाओं ने जन्म दिया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक कच्छ जिले में 348, राजकोट में 100, देवभूमि द्वारका में 93, गिर सोमनाथ में 69, पोरबंदर में 30, जूनागढ़ में 25, जामनगर में 17, राजकोट शहर में 12, जूनागढ़ शहर में 8, जामनगर शहर में 4 और मोरबी में एक समेत 707 बच्चों का जन्म हुआ है। बता दें कि चक्रवाती तूफान गुरुवार की रात कच्छ जिले के जखौ पोर्ट से टकराया था। चक्रवात के लेन्डफोल के बाद गुजरात के कई जिलों में तेज हवा के साथ मूशलाधार बारिश शुरूहो गई। तटीय इलाकों के बाद अब उत्तरी गुजरात में भारी बारिश हो रही है। उत्तरी गुजरात के बनासकांठा और पाटन जिले में रविवार तक भारी से अतिभारी बारिश होने का मौसम विभाग का अनुमान है।

दरगाह हिंसा मामले में 31 के खिलाफ नामजद केस दर्ज

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

जूनागढ़ के मजेवाड़ी गेट के पास स्थित दरगाह को लेकर हुई हिंसा के मामले में पुलिस ने 31 लोगों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया है। आईपीसी की धारा 302, 307, दंगा भड़काने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने सहित पुलिस ड्यूटी में बाधा डालने का मामला दर्ज किया है। पुलिस द्वारा 500 से अधिक लोगों की भीड़ के खिलाफ दंगा करने की शिकायत दर्ज की गई है। भीड़ की पिटाई में घायल हुए पीएसआई को शिकायतकर्ता बनाया गया है। मारपीट और तोड़फोड़ में शामिल सभी लोगों पर मजेवाड़ी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। इस मुद्दे पर एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने चुप्पी तोड़ते हुए हमला बोला है। ओवैसी ने ट्वीट करके लिखा है कि हम पर ही जुल्म होगा, हम ही जालिम कहलाएंगे। जूनागढ़ के मामले में दरगाह के बाहर युवकों की पिटाई का वीडियो साझा करके ओवैसी ने हमला बोला है। उन्होंने लिखा कि हम को ही मारा जाएगा और हम पर ही मुकदमे चलाए जाएंगे।

भारत में हिन्दुत्व इंतिहा-पसंदी उरूज पर है, शर्पसंद हिंदुत्ववादियों के शर-पसंदी की कुछ चिंगारी पुलिस विभाग तक पहुंच चुकी है। उसका जीता जागता मिसाल आजकी 2 खबर की सुर्खियां हैं। असदुद्दीन ओवैसी ने कई ट्वीट किए हैं। दूसरे ट्वीट में ओवैसी ने लिखा है कि गुजरात के जूनागढ़ में दरगाह को तोड़ने का मुस्लिम युवकों ने विरोध किया तो जनता का रक्षक कहे जाने वाली पुलिस, मुस्लिम युवकों को उसी दरगाह के सामने अपने पट्टे से सबके सामने पीट रही है। तो वहीं दूसरी तरफ जूनागढ़ में भड़की हिंसा पर निगम ने सफाई दी है।

निगम के नगर नियोजन अधिकारी ने कहा है कि केवल साक्ष्य के आधार पर नोटिस दिया गया था। कुल 8 धार्मिक स्थलों को नोटिस अवैध अतिक्रमण के संबंध में सहायक साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए जारी किया गया था।

अगले 5 दिन सौराष्ट्र-कच्छ समेत उत्तरी गुजरात में तेज हवा के बारिश का पूर्वानुमान

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

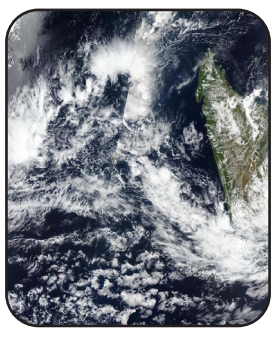

चक्रवाती तूफान बिपरजॉय पहले ही काफी तबाही मचा चुका है और अब तेज हवा और बारिश रही सही कसर निकाल रही है। चक्रवाती तूफान भले ही गुजर चुका है, लेकिन उसका गुजरात में अब भी बरकरार है। मौसम विभाग गुजरात में अगले 5 दिन बारिश का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। सौराष्ट्र-कच्छ समेत उत्तरी गुजरात में तेज हवा के साथ बारिश होगी। मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार और मंगलवार को महीसागर, नवसारी, वलसाड, पंचमहल, दमण, दादरा नगर हवेली समेत सौराष्ट्र और कच्छ में तेज हवा के साथ बारिश हो सकती है।